पटना ● शुक्रवार, 30 अगस्त 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः230 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

प्रसव पूर्व जाँच पर जोर देने हेतु जिला... 3 www. bordernewsmirror.com सिद्धांत चतुर्वेदी की... 8

भारतीय परमाणु पनडुब्बी अरिघात से डरा ड्रैगन

चीन ने बंगाल की खाड़ी में उतार दी महाशक्तिशाली जासूसों की फौज

बीजिंग (एजेंसी)। भारत की दूसरी परमाणु ऊर्जा से चालित बलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिघात को आज कमीशन किया जा रहा है। आईएनएस अरिघात आईएनएस अरिहंत श्रेणी की परमाणु पनडुब्बी है।

इस परमाणु पनडुब्बी को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह विशाखापत्तनम में कमीशन करेंगे। यह पनडुब्बी 6000 टन की है जो हिंद प्रशांत क्षेत्र में लंबी दूरी तक गश्त लगाने में सक्षम है। इस पनडुब्बी को 750 किमी तक मार करने वाली परमाणु मिसाइल के-15 से लैस किया गया है।

इस परमाणु पनडुब्बी की मदद से पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद से लेकर चीन के यून्नान प्रांत तक आसानी से निशाना बनाया जा सकता है। भारत की परमाणु पनडुब्बी को देखकर चीन हरकत में आ गया है। चीन ने अपने तीन जासूसी जहाजों को हिंद महासागर में उतार दिया है। ये

महाशक्तिशाली चीनी जासूसी जहाज बंगाल की खाड़ी में उस इलाके में घूम रहे हैं जहां से विशाखापत्तनम पर आसानी से नजर रखी जा सकेगी। चीन का पहला जासूसी जहाज शिआंग यांग होंग 03 इस समय विशाखापत्तनम और अंडमान निकोबार द्वीप समूह के बीच में मौजूद है और लगातार गश्त लगा रहा है।

चीन का दूसरा जासूसी जहाज हेई यांग शी यू 718 मलक्का स्ट्रेट के रास्ते हिंद महासागर में दाखिल हुआ है और अंडमान निकोबार के दूसरी ओर मौजूद है। चीन का तीसरा जासूसी जहाज इस समय श्रीलंका के पास से गश्त लगाकर इंडोनिशिया के पास हिंद महासागर में मौजूद है। चीन के ये तीनों ही जहाज अत्याधुनिक जासूसी उपकरणों से लैस हैं। ये मिसाइल से लेकर सबमरीन तक का पता लगाने में सक्षम माने जाते हैं। इससे पहले इसी श्रेणी का जहाज श्रीलंका पहुंचा था तो भारत ने कड़ा विरोध दर्ज कराया था। चीन को भारत के समुद्र में बढ़ते दबदबे से अब डर सताने लगा है और वह इसकी काट के लिए मशक्कत कर रहा है।

मुश्किल में फंसी ममता बनर्जी ने अब चला 'बाहरी कार्ड'

सीएम ने कहा-बाहरी लोग राज्य में हिंसा फैलाने की कोशिश कर रहे हैं

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में हुए रेप और मर्डर कांड के चलते सीएम ममता बनर्जी और उनकी पार्टी टीएमसी को भारी विरोध झेलना पड़ रहा है। इस बीच ममता बनर्जी ने एक बार फिर से 'बाहरी कार्ड' चल दिया है, जो उन्होंने 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान भी चला था।

● **कोलकाता में हुए रेप और मर्डर कांड के चलते टीएमसी का भारी विरोध**

उन्होंने भाजपा के बंद पर निशाना साधते हुए कहा कि बाहरी लोग राज्य में हिंसा फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। ममता बनर्जी ने कहा, बाहर के जो लोग भी बंगाल में रह रहे हैं, उन्हें बंगाल से प्यार करना चाहिए। बंगाल के लोग उन्हें स्वीकार कर लेंगे। लेकिन बंगाल का नुकसान करने की कोशिश की तो फिर जवाब दिया जाएगा। ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि यदि आप लोग भाजपा के साथ मिलकर पुलिस को पीटते हैं त फिर कोई आपको भी पीट सकता है। हालांकि मैं नहीं चाहती कि यहां आपस में कोई विवाद हो। यही नहीं उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोग हमें बांग्लादेश समझते हैं। मैं उन्हें बता दूं कि हम बांग्लादेश से प्यार करते हैं। वे हमारी तरह बात करते हैं। उनकी संस्कृति और हमारी एक जैसी है। लेकिन यह ध्यान रखें कि बांग्लादेश एक अलग मुल्क है। भारतवर्ष एक अलग देश है। ममता बनर्जी ने इसके अलावा भाजपा शासित राज्यों पर विवादित बयान देते हुए कहा, यदि बंगाल को जलाने की कोशिश हुई तो फिर असम भी नहीं बचेगा। पूर्वोत्तर में भी आग लगेगी। यहां तक कि उत्तर प्रदेश, बिहार भी नहीं बचेंगे। ओडिशा भी कैसे बचेगा और दिल्ली कैसे बचेगा। हम आपकी कुर्सी को खतरे में डाल देंगे। इसके अलावा ममता बनर्जी ने आरजी कर अस्पताल में डॉक्टर के साथ हुई वीभत्स घटना का जिक्र करते हुए कहा कि हम इस घटना से दुखी हैं। उन्होंने डॉक्टरों से अपील की कि सभी लोग काम पर वापस लौट जाएं क्योंकि मरीजों को परेशान होना पड़ रहा है। ममता ने कहा कि हमने डॉक्टरों के खिलाफ कोई ऐक्शन नहीं लिया है क्योंकि वे अपनी दोस्त के लिए आंदोलन कर रहे हैं। लेकिन दिल्ली में क्या हुआ। उन लोगों ने डॉक्टरों के खिलाफ ही केस दर्ज कर लिया। इसी के चलते सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि यदि डॉक्टर वापस काम पर लौट आएं तो फिर उनके खिलाफ ऐक्शन नहीं लिया जाएगा।

● **ममता बोलीं-डॉक्टर्स के खिलाफ एक शब्द नहीं बोला**

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि उनके बुधवार के भाषण को लेकर उनके खिलाफ उन्हें बदनाम करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई घटना के खिलाफ मेडिकल छात्रों या उनके आंदोलन के खिलाफ एक भी शब्द नहीं कहा है। इससे पहले ममता बनर्जी ने एक कार्यक्रम में आक्रामक भाषण देते हुए कहा था कि अगर बंगाल जला तो उसकी आग यूपी,बिहार और दिल्ली तक भी पहुंचेगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबी पोस्ट में अपने ऊपर लगे हिंसा फैलाने के इल्जाम को सरासर गलत बताया है। उन्होंने लिखा, मैंने कुछ प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया में दुष्प्रचार अभियान देखा है जो कल हमारे छात्रों के कार्यक्रम में मेरे भाषण के संदर्भ में चलाया गया है।

अडाणी फैमिली देश में सबसे अमीर, अंबानी को पीछे छोड़ा

● हुरुन इंडिया रिच लिस्ट में वैल्थ 11.62 लाख करोड़, एक साल में संपत्ति 95 फीसदी बढ़ी

मुंबई (एजेंसी)। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी और उनके परिवार की कुल संपत्ति एक साल में 95 फीसदी बढ़कर 11.62 लाख करोड़ रुपए हो गई। अडाणी परिवार ने अपनी टोटल वेल्थ में पिछले एक साल में 5,65,503 करोड़ रुपए का इजाफा किया है।

अडाणी फैमिली ने अंबानी परिवार को पीछे छोड़कर देश की सबसे धनवान फैमिली बन गई है। अंबानी परिवार की संपत्ति 10.15 लाख करोड़ रुपए है। एक साल में इसमें 25 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2024 के मुताबिक, हिंडनबर्ग के आरोपों के बाद भी गौतम अडानी एंड फैमिली ने पिछले साल की तुलना में संपत्ति में 95 फीसदी की ग्रोथ हासिल की।

गुलाम नबी आजाद अपने ही नेताओं का नहीं करेंगे प्रचार

● कहा-चाहें तो वापस ले लें नामांकन, खराब स्वास्थ्य का दिया हवाला

श्रीनगर (एजेंसी)। वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी को चुनाव से पहले बड़ा झटका लगा है। खबर है कि आजाद ने संकेत दिए हैं कि वह खराब स्वास्थ्य के चलते उम्मीदवारों के लिए प्रचार नहीं कर पाएंगे। उन्होंने यह तक कह दिया है कि अगर नेता चाहें, तो उम्मीदवारी वापस ले सकते हैं। खास बात है कि कांग्रेस से अलग होने के बाद आजाद ने डीपीएपी का गठन किया था। हालांकि, शुरुआत से ही पार्टी दल बदल समेत कई झटकों का सामना करती रही है।

इमारतों के अंदर तक पहुंच गया बाढ़-बारिश का पानी

बारिश से 'बेहाल' गुजरात, मकान-दुकान सब डूबे, 939 सड़कें बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने गुरुवार को गुजरात, उत्तराखंड समेत 19 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। गुजरात में पिछले 4 दिन से मूसलाधार बारिश हो रही है। गुजरात में बारिश से जुड़े हादसों में अब तक 35 लोगों की मौत हुई है। 18 हजार लोगों का रेस्क्यू किया गया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सीएम भूपेंद्र पटेल को फोन करके हालात का जायजा लिया। भारतीय महिला टीम की स्पिनर राधा यादव और उनका परिवार वडोदरा में बाढ़ में फंस गया था। उन्हें

18 जिलों में हालात बेकाबू, सेना की 6 टुकड़ियां बचाव कार्य में जुटीं

बुधवार को नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स ने रेस्क्यू किया।

राज्य में 7 नेशनल हाईवे, 66 स्टेट हाईवे, 92 अन्य सड़कें और 774 पंचायत सड़कें मिलाकर कुल 939 सड़कें बंद हैं। 238 तहसीलें भारी बारिश के चलते आई बाढ़ की चपेट में हैं। दिल्ली में भी बुधवार रात से भारी बारिश हो रही है। इससे दिल्ली, एनसीआर और नोएडा के कई इलाकों में पानी भर गया है। सबसे बुरी हालत अंडर पास की है। पानी भरने से सड़कों पर जाम लगा है।

हरियाणा फतह की तैयारी, दिल्ली में बीजेपी की बैठक

● उम्मीदवारों के नाम पर चर्चा, आज-कल में जारी होगी लिस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा केंद्रीय मंत्री अमित शाह सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने आगामी हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए संभावित उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा करने के लिए गुरुवार को पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर बैठक की। यह बैठक शाम को बीजेपी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक से पहले हुई है। सीईसी की मीटिंग के दौरान पैनल 1 अक्टूबर को होने वाले चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों की सूची को अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है।

स्मृति ईरानी होंगी दिल्ली में भाजपा का सीएम चेहरा!

● विधानसभा चुनाव से पहले लग रहे कयास पर स्मृति ईरानी ने लगाया विराम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी नेता और उत्तर प्रदेश के अमेठी से पूर्व सांसद स्मृति ईरानी लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार कैमरे के सामने खुलकर बात करतीं नजर आईं। इस दौरान उन्होंने चुनाव के नतीजों समेत कई मुद्दों पर भी बात की। इसी बीच दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के मुख्यमंत्री चेहरे की अटकलों को लेकर भी सवाल पूछा गया। यूट्यूब पर पोस्ट हुए एक पॉडकास्ट टॉप एंगल विद सुशांत सिन्हा में ईरानी ने कहा कि उनका नाम हर चुनाव में लिया जाने लगा है। साथ ही उन्होंने कहा कि अब वो इन बातों पर ज्यादा भरोसा नहीं करती हैं। 2024 लोकसभा चुनाव ईरानी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ लड़ा था, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। ईरानी ने कहा, पिछले 10 चुनाव में गली नुक्कड़ के चुनाव में भी मेरा ही नाम आता है। मेयर के चुनाव में, विधायक के चुनाव में, विधानसभा के चुनाव में। ऐसा कोई चुनाव नहीं है, जहां पर मेरा नाम न आए। अब मैं इन बातों पर पूरी तरह से भरोसा नहीं करती हूं।

जमीन अधिग्रहण को लेकर पंजाब में संग्राम

फिर भिड़े किसान और पुलिस, इलाके में भारी तनाव

चंडीगढ़ (एजेंसी)। दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेस-वे के लिए जमीन अधिग्रहण को लेकर पंजाब के मालेरकोटला में किसान और प्रशासन आमने सामने आ गए हैं। किसान जमीन अधिग्रहण का विरोध कर रहे हैं। बुधवार को नाराज किसानों ने पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़ दी

● **दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेस-वे पर बढ़ा विवाद**

और पुलिस से भिड़ गए। किसानों के विरोध के बावजूद मंगलवार को यहां पुलिस ने जमीन पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद बधवार को भारतीय किसान यूनियन के सदस्य विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे। उन्होंने पुलिस की ओर से लगाई गई बैरिकेडिंग तोड़ दी। पुलिस ने उन्हें वहां से भगाने की कोशिश की। इससे अफरातफरी मच गई। बड़ी संख्या में किसान हाथों में लाठी-डंडे और झंडे लेकर वहां पहुंचे थे। पुलिस बार-बार

बैरिकेडिंग लगाती और किसान उसे हटा देते। किसानों और पुलिस के बीच ताजा भिड़ंत से इलाके में भारी तनाव है। प्रशासन ने ऐहतियात बरतते हुए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है। पुलिस के साथ किसानों की भिड़ंत यह घटना शाम को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में होने वाली एक उच्च स्तरीय बैठक से पहले हुई है।

उचित मुआवजा नहीं मिलने के कारण किसान कर रहे विरोध

मुख्य सचिव अनुराग वर्मा ने डीजीपी को पत्र लिखकर दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेस-वे के दो हिस्सों की जमीन अधिग्रहण कराने के लिए पुलिस बल तैनात करने को कहा था। जहां से यह एक्सप्रेस वे गुजरना है, उसका 1.34 किलोमीटर लंबा हिस्सा मालेरकोटला में और दूसरा 1.25 किलोमीटर का हिस्सा कपूरथला में आता है। यहां एक्सप्रेस वे के निर्माण के लिए किसानों की जमीन एक्वायर करने की प्रक्रिया में उचित मुआवजा नहीं मिलने के कारण भारी विरोध चल रहा है। मुख्य सचिव ने डीजीपी को एसएसपी मालेरकोटला और कपूरथला के साथ भारी पुलिस बल की मौजूदगी में सरकारी प्रक्रिया को पूरा कराने को कहा है, ताकि अधिग्रहण की रिपोर्ट पीएम की बैठक में पेश की जा सके।

हुड्डा के मुकाबले दावेदारी ठोक रहीं शैलजा को झटका

● पार्टी ने किया साफ, किसी भी सांसद को नहीं मिलेगा टिकट

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ने का सपना देख रहे कांग्रेस सांसदों को झटका लगा है। पार्टी ने साफ कर दिया है कि किसी भी सांसद को चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस ऐलान के साथ ही कुमारी शैलजा और रणदीप सुरजेवाला को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। दरअसल, दोनों ही सांसदों ने विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की थी। इधर, भारतीय जनता पार्टी ने गुटबाजी को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। साथ ही शैलजा को मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित करने की चुनौती दी है। खास बात है कि यह ऐलान ऐसे समय पर आया है, जब अटकलें थीं कि हरियाणा कांग्रेस में वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा और शैलजा को लेकर गुटबाजी जारी है।

मदरसा और दरगाह भी जाएगी भाजपा, बढ़ाएगी अपने सदस्य

अल्पसंख्यक मोर्चा ने बनाया 50 लाख सदस्यों का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने सदस्यता अभियान की तैयारियां कर ली हैं। खबर है कि अल्पसंख्यक मोर्चा ने भी पार्टी में 50 लाख सदस्य शामिल करने का लक्ष्य रखा है। कहा जा रहा है कि इसके लिए पार्टी मदरसा और दरगाह समेत कई स्थानों तक पहुंचेगी। इसके अलावा बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय और सिख समुदाय के सदस्यों को भी भाजपा शामिल कराने की कोशिश अल्पसंख्यक मोर्चा करेगा। भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी की मौजूदगी में वर्कशाप का आयोजन हुआ था। इसमें अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू भी शामिल हुए थे। समाचार एजेंसी से बातचीत में सिद्दीकी ने बताया था कि सदस्यता अभियान 2 सितंबर से 10 नवंबर तक चलेगा। 1 सितंबर से शुरू हो रही प्राथमिक सदस्यता अभियान का आयोजन मोर्चा 2 चरणों में करेगा। उन्होंने बताया कि पहला चरण 1 सितंबर से 25 सितंबर तक चलेगा और दूसरा चरण 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक चलेगा।

भोजपुर में बाढ़ से हजारों लोग परेशान सड़क पर आया बाढ़ का पानी

जान जोखिम में डाल सफर करने को ग्रामीण मजबूर

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के ज्ञानपुरा गांव के लोग लगभग डेढ़ महीने से बाढ़ की समस्या को झेल रहा है। सड़क पर पानी चढ़ने की वजह से ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है। अब बाढ़ का पानी पूरे सड़क पर फैल चुका है। बाढ़ का पानी बढ़ने की वजह से ज्ञानपुरा गांव में जाने वाली सड़क डूब चुकी है। इसकी वजह से लोग अब नाव का सहारा ले रहे हैं। इस गांव में हजारों लोग हैं, जो इससे प्रभावित हैं। प्रतिदिन छोटी नाव से लोग मेन सड़क पर आते हैं और फिर यहां से नाव पर बैठकर गांव की ओर जाते हैं। दिन और रात इसी छोटी नाव की मदद से ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर आना-जाना पड़ रहा है। वहीं, पानी बढ़ने की वजह से गांव के स्कूल को भी बंद कर दिया गया है।

पानी बढ़ने की वजह से लाखों का नुकसान

ज्ञानपुरा गांव के किसान भी बाढ़ की वजह से बेहद परेशान हैं। ज्ञानपुरा गांव के रहने वाले किसान धनजी ने बताया कि उन्होंने खेत में लौकी, नेनुआ की खेती की थी। अन्य भी सब्जी की फसल लगाई थी। लेकिन पानी बढ़ने की वजह से खेत में भी पानी चला गया। अब सब बर्बाद हो चुका है। लगभग एक लाख रुपए खर्च हुए थे, जो अब सब बर्बाद हो चुका है। अगर सरकार की तरफ से बाढ़ से बर्बाद फसलों का मुआवजा मिल जाता तो किसानों के लिए अच्छा होता।

डेढ़ महीने से परेशान हैं ग्रामीण, पानी नहीं हो रहा कम

नाव पर बैठकर एक बुजुर्ग महिला ज्ञानपुर निवासी कौलेसरी देवी ने बताया कि बहुत परेशानी होती है। मैं तो डर की वजह से थर-थर कांपते हूं। अगर किसी को इलाज करवाने जाना हो तो इसी छोटे नाव के सहारे गांव से बाहर जाना पड़ेगा। रात में भी जाना होता है तो इसी की मदद से जाना पड़ता है। ग्रामीण मुन्नी देवी ने बताया कि पानी लगभग डेढ़ महीने से भरा हुआ है। परेशानी भी हो रही है। छोटे नाव से सवारी करने में डर लगता है। दो नाव है।

दो नाव के सहारे हो रहा हजारों लोगों का आना-जाना

वहीं, नाविक हृदय बीन ने बताया कि दो छोटे छोटे नाव हैं, जो ग्रामीणों के ही है। इसी की मदद से हम लोग ग्रामीणों को घर तक पहुंचाते हैं और फिर घर से बाहर जाने वालों को लाते हैं। जिला प्रशासन की ओर से अब तक कोई मदद नहीं मिली है। एक नाव पर दस से पंद्रह लोगों को बैठाकर पानी पार करवाते हैं। यह नाव को लंबी बांस और पतवार की मदद से चलाना पड़ता है। लंबी बांस से जोर से धक्का देना पड़ता है और पतवार से दिशा देते है। इस नाव में मोटर नहीं है, इसे ठेल कर चलाना पड़ता है।

मुजफ्फरपुर शहर में बनेगा बड़ा खेल मैदान:20 एकड़ में दी जाएगी सारी सुविधाएं

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर शहर में एक बड़ा खेल मैदान बनने वाला है। इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। 20 एकड़ के इस खेल मैदान में हर तरह के खेल की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके बनने से खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। राज्य मंत्रि मंडल से इसकी स्वीकृति मिल चुकी है। मुजफ्फरपुर के डीएम सुब्रत कुमार सेन ने बताया कि राज्य में खेल को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने हर प्रमंडलीय मुख्यालय में सभी सुविधाओं से लैस खेल मैदान बनाने का निर्णय लिया है। इसी के तहत जिला स्कूल के सी फील्ड को किलकारी परियोजना के तहत एनआईटी पटना की टीम ने पूरे प्रोजेक्ट को लेकर वीडियो प्रेजेंटेशन दिया गया।

खेल को लेकर बना रहा इन्फ्रास्ट्रक्चर

खेल को लेकर एक लंबा-चौड़ा इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाना है। जिला स्कूल के पीछे का कैंपस है। इसे एक बेहतर पार्क बनने के लिए पटना की एनआईटी टीम प्लान बनाकर प्रेजेंटेशन तैयार कर रही है। उस पार्क मे वॉकिंग ट्रैक बना रहे हैं। इसके अलावा में डिफरेंट थीम्स पर ग्रेडन होगा। बच्चें वहां पेंटिंग और म्यूजिक की गतिविधियां कर सके इसकी सुविधा का ध्यान रखा जा रहा हैं। शहर के सभी लोग अपने परिवार के साथ जा सके इस पर चर्चा हुई। इसे जल्द ही धरातल पर लाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

गोपाल चौधरी बने राजद के नगर प्रखंड अध्यक्ष

गया, एजेंसी। नगर प्रखंड के गुलनी के रहने वाले गोपाल चौधरी को राजद के नगर प्रखंड अध्यक्ष मनोनित किया गया। जहानाबाद सांसद डॉ. सुरेन्द्र प्रसाद यादव ने उन्हे इस पद पर मनोनित किया। इस दौरान वह गोपाल चौधरी को पुष्पगुच्छ देकर बधाई दी। नगर प्रखंड अध्यक्ष मनोनित होने पर उन्होने पार्टी के सांसद सहित अन्य सभी नेताओं के प्रति धन्यावाद अर्पित किया। उन्होंने कहा कि वह पूर्व में घुठिया पंचायत के मुखिया भी रह चुके हैं। पार्टी ने जो उन्हे पद सौंपा है। उस पर खरा उतरने की कोशिश करूगा। प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में जाकर सदस्यता अभियान चलायेगें। इस मौके पर बिहार प्रदेश सचिव प्रवीण कुमार शर्मा, युवा प्रदेश सचिव विश्वनाथ यादव, संजय यादव , चांद असांरी, विपिन कुमार ने बधाई दी।

राशन नहीं मिलने पर उपभोक्ताओं ने महिला डीलर व नॉमिनी को पीटा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। कथैया थाना क्षेत्र के जगदेवन छपरा गांव में मंगलवार देर शाम राशन से वंचित उपभोक्ताओं ने महिला डीलर गुड़िया कुमारी और नॉमनी रानी कुमारी की पिटाई कर दी। इस दौरान पीओएस मशीन और राशन लूटने का प्रयास किया गया। डीलर को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। मामले को लेकर नॉमनी रानी कुमारी ने आधा दर्जन उपभोक्ताओं के खिलाफ थाना में आवेदन दिया है। उसने पुलिस को बताया कि उपभोक्ताओं के बीच राशन का वितरण कर रही थी। तभी दूसरे पोषण क्षेत्र के कुछ उपभोक्ता आकर जबरदस्ती राशन देने की बात कहते हुए हंगामा करने लगे। शोर मचाने पर आसपास के लोगों के जुटने पर सभी भाग गए। बताया कि उनके पास पांच सौ उपभोक्ता हैं, जिसके लिए 1.20 क्विंटन राशन का आवंटन मिलता था। इस माह मात्र 53 क्विंटल ही आवंटन मिला है। इस परिस्थिति में सभी उपभोक्ताओं को राशन मुहैया कराया जाना संभव नहीं है। थानाध्यक्ष आदित्य कुमार ने बताया कि मामले की छानबीन की जाएगी। इधर, फेयर प्राइस डीलर्स एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष हीरालाल यादव ने घटना की कड़ी निंदा की है। विभाग द्वारा डीलरों को कम आवंटन दिया जाता है। यही रवैया रहा तो सितंबर में वितरण बंद कर आंदोलन किया जाएगा। गुरुवार को पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल एसडीओ वेस्ट से मिलकर समस्याओं से अवगत कराएगा। वहीं, एमओ उमेश कुमार ने बताया कि जिला से ही आवंटन में कटौती की गई है, जिस वजह से डीलरों के समक्ष राशन वितरण में उपभोक्ताओं का कोपभाजन का शिकार होना पड़ रहा है। इसके लिए जिला आपूर्ति पदाधिकारी से पत्राचार किया गया है।

राजद के नेता शुद्धिकरण कराएं, तभीजनता विश्वास करेगी : जायसवाल

पटना, एजेंसी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि बिहार की बदतर स्थिति करने वाले ही आज इसकी चिंता कर रहे हैं। उन्होंने राजद नेताओं को शुद्धिकरण करने की सलाह देते हुए कहा कि गंगा स्नान के बाद ही जनता इनकी बात पर विश्वास करेगी। बिहार में जो अपराध हो रहे हैं, उसमें 70 प्रतिशत आरोप लगाने वाले के लोग ही कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव बिहार की जनता को बेवकूफ क्यों बना रहे हैं। जब वे उपमुख्यमंत्री थे तभी ट्रांसफर-पोस्टिंग की फाइल को मुख्यमंत्री को मंगाना पड़ा था। बिहार की जनता नहीं जानती है क्या कि उनकी पार्टी ने अपराध और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया था। पश्चिम बंगाल की घटना पर डॉ. जायसवाल ने कहा कि ममता सरकार ने अपराधियों को बचाने का प्रयास किया। वक्फ बोर्ड के गोविंदपुर गांव पर दावे को लेकर पूछे गए प्रश्न पर कहा कि अभी तक इसकी कोई आधिकारिक जानकारी मुझे नहीं दी गई है। राजस्व विभाग के पास सभी जमीन मालिक और कब्जाधारी का डाटा मौजूद है। राष्ट्रीय लोजपा के प्रमुख पशुपति कुमार पारस की अमित शाह से मुलाकात पर डॉ. जायसवाल ने कहा कि राजनीति में मिलना-जुलना लगा रहता है। पारस एनडीए का हिस्सा है या नहीं यह बात केंद्रीय नेतृत्व ही बताएगा।

गया शहर बनेगा औद्योगिक स्मार्ट सिटी बेरोजगारी होगी दूर: जीतनराम

गया, एजेंसी। ऐतिहासिक, धार्मिक, पौराणिक व पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण गया शहर की पहचान अब औद्योगिक शहर के रूप में होगी। औद्योगिक शहर की योजना में गया शहर को शामिल किया गया हैं। इससे धार्मिक नगरी गया के स्थानीय कौशल को औद्योगिक ढांचा प्रदान करने में उत्कृष्ट मदद मिलेगी। केंद्रीय सूक्ष्म, लधु व मध्य उधम मंत्री जीतनराम मांझी ने हिन्दुस्तान संवाददाता को एक विशेष वार्ता में यह बातें कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गया सहित बिहार को औधोगिक बढ़ावा देकर बेरोजगारी की समस्या को दूर करने का कार्य तेज कर दिया है। रोजगार को बढ़ावा मिलने से बिहार से दूसरे प्रदेशों में पलायन पर भी रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत की अर्थव्यवस्था को उच्च कोटि की श्रेणी के रूप में सुदृढ़ करने और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ हैं। बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में गया को औद्योगिक स्मार्ट शहर बनाने की बात कही गई है। इसमें देश के प्रमुख क्षेत्रों को औद्योगिक विकास से जोड़ने की कोशिश की गई है। गया को औद्योगिक शहर में शामिल कर विकास के बाद नई औद्योगिक इकाइयों के जरिये स्थाई रोजगार के निर्माण को भी विशेष बल मिलेगा। गया के स्थानीय सांसद और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलकर गया को औद्योगिक हब बनाने के लिए प्रस्ताव दिया गया था जिसमें मुख्य रूप से गया को स्मार्ट शहर बनाने की बात कही थी। गया शहर को भी स्मार्ट शहर बनाने की योजना स्वीकृत हुई है जो गया वासियों के लिए बेहद खुशखबरी है। गया नगर विधायक सह मंत्री डॉ प्रेम कुमार, भाजपा के वरिष्ठ नेता का पूर्व एमएलसी कृष्ण कुमार सिंह ,एमएलसी अफाक अहमद खान, हम पार्टी के राष्ट्रीय सचिव नंदलाल मांझी, भाजपा के जिला अध्यक्ष प्रेम प्रकाश, भाजपा के युवा नेता डॉ मनीष पंकज मिश्रा, डॉ मनोज कुमार, भाजपा नेता संजू लाल ने हर्ष जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गया शहर को इंडस्ट्रियल हब के रूप में विकसित करते हुए स्मार्ट शहर बनाने की बात कही जो एक ऐतिहासिक निर्णय है।

पूर्व एमएलसी और उनके बेटे को मारने की धमकी: पत्र मिलने के बाद थाने में एफआईआर कराई दर्ज

पटना से आया था लेटर

गया, एजेंसी। गया के पूर्व एमएलसी और जदयू नेत्री मनोरमा देवी और उनके बेटे राकेश रंजन उर्फ रॉकी यादव को धमकी से भरा पत्र मिला है। जिसमें जान से मारने की बात लिखी है। लेटर स्पीड पोस्ट से 26 अगस्त को ही आया था। जो पटना जीपीओ से भेजा गया था। मामले में मनोरमा देवी ने 28 अगस्त को रामपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। अब तक की कार्रवाई में पुलिस को किसी प्रकार की सफलता नहीं मिली है। लेटर पढ़ने के बाद मनोरमा देवी और उनका परिवार चिंतित है। पूर्व एमएलसी से संपर्क करने की कोशिश की गई पर नहीं हुआ।

पुलिस कर रही जांच

एफआईआर में मनोरमा देवी ने जानकारी दी है कि स्पीड पोस्ट से एक लिफाफा आया था। रिसीव घर के कर्मचारी अनुज शर्मा ने किया था। उसने लिफाफा हमारे पीए रविंद्र कुमार दिया। रविंद्र ने लेटर पढ़कर मामले की जानकारी मुझे दी। मैंने भी लेटर को पढ़ा। जिसके बाद काफी चिंतित हो गई। आशंका जताई जा रही है कि इसके पीछे जरूर कोई गैंग है। पत्र भेजने वाले का नाम सुजीत कुमार साकेतपुरी, बहादुरपुर व राजेन्द्र नगर लिफाफे पर लिखा है। रामपुर थाना प्रभारी दिनेश बहादुर सिंह ने कहा कि पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी को धमकी दिए जाने से सम्बंधित केस दर्ज किया गया है। इसकी जांच चल रही है।

प्रेमी संग भागी नाबालिक अपहृता बरामद

भागलपुर, एजेंसी। थाना क्षेत्र के महदेवापुर गांव से तीन दिन पूर्व अपहृता नाबालिग को सन्हौला पुलिस ने बुधवार को सन्हौला बस स्टैंड से बरामद कर लड़का को गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि महदेवापुर गांव के एक नाबालिग लड़की को तीन दिन पूर्व उसी गांव के फेकन पंडित के पुत्र बजरंगी पंडित ने शादी की नीयत से अपहरण कर लिया था। सूत्रों ने बताया कि मामला प्रेम प्रसंग का है, लड़का और लड़की ने शादी भी कर लिया है।

पटना में 4 पुलिस जवानों पर एफआईआर, महिला के प्राइवेट फोटो से छेड़छाड़ कर किया वायरल

पटना, एजेंसी। बिहार पुलिस और बीएमपी के जवानों पर बड़ा आरोप लगा है। पुलिस के चार जवानों पर एक महिला की इज्जत से खिलवाड़ करने का इल्जाम है। उनके खिलाफ राजीव नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराया गया है। राजीव नगर इलाके में रहने वाली महिला और उसके मुंह बोले सिपाही भाई की तस्वीर को एडिट कर सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। हालांकि वायरल तस्वीर की लाइव हिन्दुस्तान पुष्टि नहीं करता है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है तो पीड़ित महिला मानसिक रूप से बीमार हो गई है। इस इस मामले में महिला ने बीएमपी के दो जवानों समेत चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ राजीव नगर थाने में केस दर्ज कराया है। थाने में दिये आवेदन में महिला ने आरोप लगाया है कि उसकी और उसके मुंह बोले भाई के साथ निजी तस्वीर को एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। उसके साथ कुछ पत्र भी अपलोड किए गए हैं। इसकी जानकारी जब उसको हुई तो वह डिप्रेशन में चली गई है। महिला ने कहा है कि जिस मोबाइल नंबर से फोटो वायरल किया गया है, वह सिम कार्ड एक पुलिस वाले के नाम पर है। इस मामले में बीएमपी दो में तैनात धीरज कुमार, नीरज कुमार के अलावा दो अन्य पुलिसकर्मी शामिल हैं जिनके नाम वह नहीं जानती है।

पीड़ित ने आत्महत्या की चेतावनी

पीड़ित महिला इतना परेशान हो गई है कि उसने कार्रवाई नहीं होने पर आत्महत्या की चेतावनी दी है क्योंकि उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। उस पर कई प्रकार के कमेंट भी आ रहे हैं। लाइव हिन्दुस्तान वायरल तस्वीर और पत्र की पुष्टि नहीं करता है।

बदनाम करने की कोशिश

राजीव नगर थानेदार ने बताया कि महिला को बदनाम करने के उद्देश्य से फोटो बनाकर वायरल किया गया है। जांच की जा रही है। आरोपित सिपाही धीरज कुमार बीएमपी-दो मेंस एसोसिएशन का अध्यक्ष है। जिस मुंह भोले भाई के साथ महिला की तस्वीर वायरल की गई है वह भी बीएमपी में सिपाही है।

शुक्ला रोड में भटकते मिली 10 व 12 साल की दो लावारिस बच्चियां

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। शहर के शुक्ला रोड इलाके में मंगलवार शाम 10 और 12 साल की दो बच्चियां लावारिस स्थिति में भटकते हुए मिलीं। दोनों को काफी देर तक रोड पर घूमते देख स्थानीय लोगों को शक हुआ। इसके बाद लोगों ने उनसे पूछताछ की। जब दोनों ने सही ठिकाना नहीं बताया तो लोगों ने इसकी सूचना नगर थानेदार शरत कुमार को दी। इसके बाद दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया गया। नगर थानेदार ने बताया कि दोनों बच्चियों में बड़ी ने अपना अरिहान परवीन और छोटी खुशबू परवीन बताया है। दोनों का कहना है कि उसके माता पिता का देहांत हो चुका है। अब उनका कोई नहीं है। मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर थानेदार ने जिला बाल संरक्षण इकाई के सहायक निदेशक से संपर्क किया। फिलहाल, दोनों को महिला सिपाही के साथ नगर थाने में रखा गया है।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा 6 सितम्बर को आएंगे बिहार, 2 दिनों के दौरे पर 4 अस्पताल का करेंगे उद्घाटन

पटना, एजेंसी। नरेंद्र मोदी सरकार के स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा बिहार आ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री छह सितम्बर को बिहार पहुंचेंगे। वे अपने दो दिवसीय सरकारी दौरे पर बिहार आ रहे हैं। बिहार भ्रमण के दौरान जेपी नड्डा आईजीआईएमएस नेत्र अस्पताल सहित चार मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावे वे अन्य कार्यक्रमों में भी भाग ले सकते हैं। केंद्रीय मंत्री के बिहार आगमन को लेकर आवश्यक तैयारी की जा रही है। जेपी नड्डा छह सितंबर को सबसे पहले पटना पहुंचेंगे जहां आईजीआईएमएस के आई हॉस्पिटल का उद्घाटन करेंगे। पटना के बाद उनका भागलपुर जाने का कार्यक्रम है। भागलपुर में स्वास्थ्य मंत्री दो सौ बेड के सुपर स्पेशलियलीटी ब्लॉक का उद्घाटन करेंगे। वहां से गया जाएंगे, जहां मगध मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का उद्घाटन करेंगे।

दो दिवसीय बिहार दौरे के दूसरे दिन सात सितम्बर को जेपी नड्डा पटना मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल जाएंगें। जानकारी के मुताबिक केंद्रीय मंत्री एमसीएच में बन रहे नए ब्लॉक को देखेंगे। सात सितम्बर को पटना में पीएमसीएच में निरीक्षण के बाद उनका दरभंगा जाने का कार्यक्रम है। दरभंगा में एम्स के लिए प्रस्तावित स्थल का मुआयना करने वाले हैं। दरभंगा में बिहार का दूसरा एम्स बनने वाला है। इसके लिए शोभन बाइपास के पास बिहार सरकार ने जमीन का अधिग्रहण किया। इसके बाद दरभंगा और मुजफ्फरपुर मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक का उद्घाटन करने वाले हैं।

शोभन में ही बनेगा दरभंगा एम्स, बायपास वाली जमीन को केंद्र की मंजूरी

मुजफ्फरपुर स्थित एसकेएमसीएच और दरभंगा के डीएमसीएच में सुपर स्पेश्यलिटी सेंटर का निर्माण हो चुका है। इनके उद्घाटन का इंतजार किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री के बिहार दोरे के साथ ही लोगों का इंतजार खत्म हो जाएगा। उत्तर बिहार के इन दोनों अस्पतालों पर बहुत लोड है। सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक में इलाज शुरू हो जाने के बाद बिहार की जनता को बड़ी राहत मिलेगी। पिछले दिनों एक कार्यक्रम में मुजफ्फरपुर आए बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने जेपी नड्डा के हाथ से सुपर स्पेशियलिटी वार्ड के उद्घाटन की जानकारी दी थी।

सीतामढ़ी में 3 बच्चों के साथ मां ने किया सुसाइड

लुधियाना से फोन आया- पति ने शराब पी है, घर जलाकर तालाब में कूदी पत्नी

सीतामढ़ी, एजेंसी। सीतामढ़ी में 3 बच्चों के साथ मां ने तालाब में कूदकर खुदकुशी कर ली। बुधवार को चारों के शव तालाब से निकाले गए हैं। परिवार ने बताया कि महिला का पति लुधियाना में नौकरी करता है। देर रात लुधियाना से फोन आया था कि उसका पति शराब पीकर नाटक कर रहा है। इसे लेकर पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ।

गुस्से में पहले पत्नी ने अपना घर जलाया फिर तीनों बच्चों को लेकर तालाब में कूद गई। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मृतकों की पहचान बेला थाना क्षेत्र के श्रीरामपुर गांव निवासी संजीव साह की पत्नी मंजू देवी (30) और उसके तीन बच्चे आर्यन (6), सुशांत (4) और हिमांशु (2) के रूप में हुई है। घटना मंगलवार रात बेला थाना के श्रीरामपुर गांव की है।

पति के साथ हुआ था विवाद

मृत महिला के पिता ठागा साह ने बताया, बीती रात बेटी और दामाद की फोन पर बात हुई थी। इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया। उसकी छोटी बेटी और दामाद के साथ बड़ा दामाद लुधियाना मे ही रहता है। ठागा साह के मुताबिक, बड़ा दामाद लुधियाना में ही किसी और के घर शराब पी रहा था। इसी दौरान वह उल्टी करने लगा। घर के दूसरे लोगों ने उसकी छोटी बेटी को कॉल किया और कहा कि आपके जीजा ने शराब पीकर मेरे घर में उल्टी कर दी है, आकर साफ करो। इसके बाद छोटी बेटी ने अपनी बड़ी बहन को कॉल कर सारी जानकारी दी। जानकारी मिलने के बाद महिला ने अपने पति को कॉल किया, जहां दोनों के बीच लड़ाई होने लगी। पति से झगड़े के बाद महिला ने तीन बच्चों के साथ अपनी जान दे दी।

जांच में जुटी पुलिस

एसपी मनोज कुमार तिवारी ने बताया, मंगलवार की देर शाम महिला का पति के साथ विवाद हुआ था। हत्या व आत्महत्या की बिंदु पर चल रही जांच चल रही है।

खुदकुशी से पहले घर में लगाई आग

फोन पर हुए विवाद के बाद महिला ने पहले घर में आग लगाई। इसके बाद तीनों बच्चों के साथ गांव के पोखर में जाकर छलांग लगाकर खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा है कि रात सिर्फ आसपास के लोगों को आग लगने की जानकारी मिली थी। जिसके बाद से मृतका के परिजन सभी को ढूंढ रहे थे। इसी दौरान आज सुबह तालाब से सभी के शव मिले।

400 रुपये नहीं दे सके तो नहीं आया एंबुलेंस, मरीज ने अस्पताल में ही तोड़ा दम

गया, एजेंसी। गया में एक मरीज की मौत के बाद काफी हंगामा हुआ है। दरअसल मृतक मरीज के परिजनों का दावा है कि मरीज को ले जाने के लिए समय पर एंबुलेंस नहीं मिलने से उनकी मौत हो गई। इस मौत के बाद परिजन आक्रोशित हो गए। जानकारी के मुताबिक, शेरघाटी अस्पताल में इस मरीज को पहले ले जाया गया था। यहां से मरीज को गया रेफर किया गया था। जब मरीज के परिजनों ने एंबुलेंस मांगा तो उनसे 400 रुपये मांगे गए। बताया जा रहा है कि यह लोग आर्थिक रूप से काफी कमजोर थे और उनके पास एंबुलेंस वाले को देने के लिए 400 रुपये नहीं थे।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

प्रसव पूर्व जाँच पर जोर देने हेतु जिला योजना पदाधिकारी के द्वारा की गई समीक्षा

- दम्पत्तियों के बीच पहले गर्भधारण में देरी तथा दो बच्चों मे 03 साल का हो अंतराल
- लक्षित गर्भवती महिलाओं के बीच पोषाहार का वितरण एवं पोषण ट्रैकर एप्प में हो संधारण

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के कल्याणपुर प्रखंड में आकांक्षी प्रखंड योजना के तहत संपूर्णता अभियान की समीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला योजना पदाधिकारी धनंजय कुमार ने की, जिसमें प्रखंड के अन्य पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में संपूर्णता अभियान के छह सूचकांकों की प्रगति की समीक्षा की गई।समीक्षा में पाया गया कि जीविका द्वारा रिवॉल्विंग फंड सूचकांक में अच्छा प्रदर्शन किया गया है, जबकि स्वास्थ्य विभाग को एएनसी और एनसीडी क्षेत्रों में सुधार के निर्देश दिए गए हैं। आईसीडीएस और अन्य क्षेत्रों में अभी और सुधार की आवश्यकता बताई गई है। ताकि आने वाले माह में प्रखंड के सभी सूचकांकों को पूर्णतया संतृप्त किया जा सके।पिरामल जिला प्रतिनिधि मुकेश कुमार ने बताया कि सितंबर तक सभी सूचकांकों को संतृप्त करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि प्रखंड के नागरिकों को इसका पूरा लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा जनवरी 2018 में शुरू किए गए आकांक्षी जिला कार्यक्रम को अब प्रखंड और पंचायत स्तर पर लागू किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना और समावेशी विकास सुनिश्चित करना है।

दम्पत्तियों के बीच पहले गर्भधारण मे देरी तथा दो बच्चों मे 03 साल का हो अंतरालः मुकेश कुमार ने कहा की बिहार में परिवार नियोजन एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, जो राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास से सीधे जुड़ा हुआ है। परिवार नियोजन महिलाओं को यह अधिकार देता है कि उनके कब और कितने बच्चे हों। परिवार नियोजन के कई लाभ हैं, जिनमें माता और बच्चों का बेहतर स्वास्थ्य, गरीबी में कमी और बेहतर शिक्षित आबादी शामिल है। गर्भनिरोधक का उपयोग महिलाओं के लिए विशेष रूप से युवा, कम बच्चों वाली महिलाओं, और लड़कियों में गर्भावस्था से संबंधित स्वास्थ्य जोखिमों को रोकता है। दम्पत्तियों के बीच पहले गर्भधारण मे देरी तथा दो बच्चों मे 03 साल का अंतराल के लाभ एवं सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों पर परिवार नियोजन सेवाओं की उपलब्धता के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

सूचकांक की महत्वपूर्ण बातें:- प्रसव पूर्व जांच12 सप्ताह के पहले हो। 30 वर्ष से अधिक उम्र के सभी व्यक्तियों का उच्च रक्तचाप की जांच। 30 वर्ष से अधिक उम्र के सभी व्यक्तियों का मधुमेह की जांच। लक्षित गर्भवती महिलाओं को पोषाहार का वितरण एवं पोषण ट्रैकर एप्प में संधारण हो। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. प्रभात कुमार और रुपेश कुमार सिंह, प्रखंड कृषि पदाधिकारी अनिल वर्मा, मुखिया संजय कुमार, मुखिया सुरेन्द्र कुमार, बीपीएम जीविका, आनंद कुमार, पिरामल फाउंडेशन के मुकेश कुमार, राणा फ़िरदौस और अन्य उपस्थित थे।

एलएनडी कॉलेज में खेल गतिविधियों का हुआ आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज में खेल दिवस के अवसर पर अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम छात्र-छात्राओं के बीच बोरा रेस आयोजित किया गया। जिसमें बालक वर्ग में क्रमशः विशाल कुमार,अभिजीत कुमार, अमित कुमार ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में राजनंदनी कुमारी,खुशी कुमारी और मनीषा कुमारी को प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान मिला। दोनों वर्गों से चयनित प्रथम तीन प्रतिभागियों को मेडल और सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्य प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि मनुष्य के सामाजिक, मानसिक और शारीरिक विकास के लिए खेल अति आवश्यक है। एक अन्य गतिविधि में एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. अरविंद कुमार ने सभी प्रतिभागियों को खेलो इंडिया मिशन के अंतर्गत खेल से जुड़ने और नव भारत के निर्माण की शपथ दिलाई। महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि इस तरह के आयोजन से छात्र-छात्राओं का जुड़ाव महाविद्यालय से बढ़ता है। इस कार्यक्रम में डॉ. दुर्बादल भट्टाचार्य, डॉ. दीपक कुमार, डॉ.कुमार राकेश रंजन, डॉ. जौवाद हुसैन की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में अभिषेक,परवेज,विकास,दिवेश, रुचिका,वर्षा,ब्यूटी,अभिरंजन,शिवम, शुभम,अभिरंजन,शुभांगी आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बिहार राज्य आपदा संसाधन नेटवर्क के क्रियान्वयन के संबंध में कार्यशाला का किया गया आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

शहर स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभा भवन में बिहार राज्य आपदा प्राधिकरण के तत्वावधान में बिहार राज्य आपदा संसाधन नेटवर्क के क्रियान्वयन के संबंध में सभी संबंधित पदाधिकारी को जानकारी देने के उद्देश्य से आज एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्राधिकरण के तकनीकी सलाहकार डॉ. बी के सहाय के द्वारा जानकारी उपलब्ध कराई गई। कार्यशाला में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन शाखा राजेश्वरी पांडे, प्रभारी पदाधिकारी आपदा शाखा,सभी अंचल अधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यशाला में उपस्थित तकनीकी सलाहकार के द्वारा बिहार राज्य आपदा संसाधन नेटवर्क ऐप की जानकारी दी गई जिसके माध्यम से आपदा की स्थिति में आपदा पीड़ितों को त्वरित सहायता पहुंचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी कार्यालय को अपने कार्यालय अंतर्गत उपलब्ध संसाधनों की सूची बिहार राज्य आपदा संसाधन नेटवर्क ऐप के माध्यम से अपलोड करना होगा। इसके लिए विभाग से लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड उपलब्ध कराया जाएगा। इस ऐप के सफल क्रियान्वयन के लिए चलचित्र के माध्यम से गूगल प्ले स्टोर से ऐप को डाउनलोड करने के तरीके बताए गए। कार्यशाला में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण पटना के द्वारा की जा रही आपदा निरोधी कार्यों के संबंध में चलचित्र के माध्यम से प्रस्तुति दिखाई गई। बैठक में जिला आपदा प्रबंधन योजना के बारे में विस्तार पूर्वक विवरण प्रस्तुत किया गया एवं उपस्थित पदाधिकारी को आपदा से संबंधित योजना बनाकर जिला आपदा शाखा को उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत महिला एवं बाल विकास निगम, जिला प्रशासन के तत्वाधान में 71वे सशस्त्र सीमा बल पिपरा कोठी के सहयोग से गुरुवार को खेल प्रतियोगिता का आयोजन एसएसबी कैंप फील्ड पिपराकोठी में किया गया। इस अवसर पर डीपीओ आईसीडीएस कविता कुमारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी श्वेता सिंह, जिला मिशन समन्वयक निधि कुमारी, उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक हामिद रजा ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर खेल कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर डीपीओ आईसीडीएस कविता कुमारी ने कहा कि आज राष्ट्रीय खेल दिवस है और हॉकी के महान खिलाड़ी ध्यानचंद का जन्मदिन है। उनके याद में आज पूरे देश में खेल का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर इस एसएसबी कैंप फील्ड में किशोरी समूहों की

लड़कियों के बीच कबड्डी का मैच खेला गया और किशोरियों ने 100 मीटर के दौड़ में हिस्सा लिया। कबड्डी के सभी 14 खिलाड़ियों को महिला एवं बाल विकास निगम की ओर से ट्रैक सूट दिया गया। वहीं सौ मीटर दौड़ में आए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय किशोरियों को ट्रैकसूट देकर सम्मानित किया गया और बच्चों का हौसला बढ़ाया गया। अवसर पर डीपीओ आईसीडीएस कविता कुमारी ने कहा कि खेल में बहुत बड़ा अवसर है। बच्चों को खेल पर भी अच्छे से ध्यान देना चाहिए। पढ़ाई के साथ साथ खेल में भी 100% ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ऐलान है कि मेडल लाओ और नौकरी पाओ। बच्चे खेल में अच्छे से रुचि लेकर मेडल लाइए और नौकरी पाकर अपने पैर पर खड़े हों। जब आप अपने पैरों पर खड़े हो जाएंगे तो बाल विवाह और दहेज प्रथा जैसे कुरीतियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस अवसर पर सीडीपीओ श्वेता सिंह, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार, जिला मिशन समन्वयक निधि कुमारी, उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक हामिद रजा, केस वर्कर दीक्षा कुमारी, मैच रेफरी एसएसबी के रितेश शर्मा रेफरी,संदीप कुमार,उत्कर्ष कुमार,अंगद सिंह,सनी कुमार, उड़ान परियोजना के प्रखंड समन्वयक जितेंद्र कुमार सिंह, विकास मित्र गुड़िया देवी, पप्पू कुमार, विजय कुमार, रिंकी भारती, पूनम देवी, राम जन्म माझी सहित कस्तूरबा विद्यालय और महादलित विकास मिशन द्वारा निर्मित किशोरी समूह से बड़ी संख्या में बच्चों ने इस खेल प्रतियोगिता में भाग लिया।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

हरसिद्धि थानाध्यक्ष पर आरोप, थोड़ी सी मानवता दिखाते तो युवक नहीं करता आत्महत्या

बीएनएम। मोतिहारी। सागर सूरज

हरसिद्धि थाना प्रभारी पर इन दिनों कमजोर और लाचार लोगों के साथ हो रहे अन्याय को नजर अंदाज कर सम्बल लोगों के धून पर नृत्य करने के लगातार आरोप लग रहे हैं। रसिद्धि थाना क्षेत्र के पैठानपट्टी गांव मे फांसी के फंदे से लटके एक युवक के शव को जला कर साक्ष्य मिटाने के प्रयास का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। लोगों की माने तो बीते 27 अगस्त को पैठान पट्टी गांव में अपने पट्टीदार द्वारा हिस्से का जमीन नही देने और प्रताड़ना से आजिज होकर एक बजे दिन में लालबहादुर महतो का 25 वर्षीय पुत्र छठु महतो फांसी के फंदे से लटककर अपनी जान दे दी। घर मे अकेली बूढ़ी मां थी। ग्रामीणों का आरोप है कि आत्महत्या से पूर्व मृतक कई बार थाने का चक्कर लगा चूका था, अगर न्याय सही समय पर मिल गयी होती, पुलिस थोड़ी भी संवेदनशीलता दिखायी होती तो शायद युवक अपनी जान नही देता। बताया गया है कि घटना के बाद पट्टीदार घर छोड़कर फरार हो गए और अन्य कुछ लोग साक्ष्य समाप्त करने के उद्देश्य से शव को जलाने के प्रयास में जुट गए। इसी बीच हरसिद्धि पुलिस को ग्रामीणों ने इसकी सूचना दी। ग्रामीणों के अनुसार पुलिस की 112 गाड़ी आयी और अधिकारियों ने शव देखा भी लेकिन किसी के प्रभाव में आकर मामला रफा दफा करने के लिए शव जल्दी फूंक देने का इशारा कर दिया। आरोप है कि इशारा पाते हीं शव को एक फुलवारी के बगल में ले जाकर फूंकने की प्रक्रिया शुरू हो गई। सूत्रों की माने तो शाम 5:56 बजे मोतिहारी एसपी को उनके व्हाट्सअप पर सूचना मिली और उन्होंने त्वरित कार्रवाई करने का आदेश दिया, लेकिन आदेश के साढ़े तीन घंटे बाद बारह किलोमीटर दूरी तय कर पुलिस शव जले स्थान पर पहुची देखी और पुनः वापस चली गई। क्या शव का पोस्टमार्टम कराना उचित नहीं था। किस परिस्थिति में एसपी के आदेश का उलंघन किया गया या फिर एसपी को अधिकारियो द्वारा गलत सुचना उपलब्ध करवाई गयी, ये सारे सवाल फिजाओं में अब भी तैर रहे है। यही नहीं थाना प्रभारी पर गत दो दिन पूर्व एक और आरोप लगे जिसमे हरसिद्धि थाना क्षेत्र के ही घिउवाढार के एक फिरोज आलम के गांव के ही एक दबंग पड़ोसी जमीन पर अपना दीवाल खड़ा करने लगा तो पीड़ित थाने गया, जहां पुलिस ने यह कहते हुए भगा दिया की जहां जाना हो जाओ कह देना दीवाल हम उठवा रहे है। और एक चौकीदार की उपस्थिति मे दीवाल खड़ी हो गयी और पीड़ित का सिर्फ जमीन नहीं गया बल्कि उसकी अपनी खिड़की भी बंद हो गयी। वरीय अधिकारी को दिये आवेदन में बताया गया कि पीड़ित और उसका परिवार जब रोकने गया तो बुरी तरह पीटा गया। पीड़ित थाने नहीं जा सका क्योंकि वहा भी कोई उसकी सुनने वाला नहीं था। थाना प्रभारी से जब उनका पक्ष लिया गया तो वे सारे आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि जमीन के मामले में पुलिस कुछ नहीं कर सकती।

संक्षिप्त समाचार

बाइक से कच्चा शराब बरामद, कारोबारी बाइक छोड़करआ फरार

बीएनएम। सुगौली। स्थानीय पुलिस ने गुरुवार को सिकरहना नदी पुल के पास वाहन जांच के दौरान एक हीरो सुपर स्पेंड़र रजि०संख्या बी आर 05वाई 4622 से सत्ताइस लीटर कच्चा शराब जब्त किया है। वहीं पुलिस को देखकर बाइक सवार बाइक छोड़कर फरार हो गया। मामले की पुष्टि करते हुए प्रभारी थानाध्यक्ष महेश रजक ने बताया कि बाइक सहित बरामद शराब को जब्त कर लिया गया है। पुलिस फरार शराब कारोबारी का पता लगाने में जुटी है।

सीएसपी लूटकांड में दो लूटेरे तुरकौलिया से गिरफ्तार

बीएनएम। हरसिद्धि। हरसिद्धि पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सीएसपी लूटकांड के दो लुटेरों को छापेमारी कर बुधवार की रात गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया कि गिरफ्तार लुटेरों के तुरकौलिया थाना क्षेत्र के कोरईया गांव के गफूर अंसारी का पुत्र अमानुल्लाह एवम कचहरी टोला के जगदेव पासवान का पुत्र अरविंद पासवान शामिल है।बताते चलें 22अगस्त को बाइक सवार लूटेरों ने हरसिद्धि थाना क्षेत्र के कृतपुर गांव के सीएसपी संचालक के यहां लूट की घटना का अंजाम दिया था। लूटपाट की गतिविधि सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गया था। फुटेज जांच के बाद इन दोनों की गिरफ्तारी इसके घर से हुआ है। छापेमारी में थानाध्यक्ष के अलावे रविरंजन कुमार, बिभा भारती, संतोषी कुमारी व सशस्त्र बल शामिल थे।

इनरव्हील क्लब मुजफ्फरपुर द्वारा 10 महिलाओं का कराया गया प्रौढ़ शिक्षा विद्यालय में दाखिला

बीएनएम। मुजफ्फरपुरः इनरव्हील क्लब मुजफ्फरपुर की ओर से शुभंकरपुर गाँव (पताही) में संचालित प्रौढ़ शिक्षा विद्यालय में गुरुवार को 10 नई महिलाओं का दाखिला कराया गया। यह विद्यालय क्लब द्वारा पहले से संचालित किया जा रहा है और यहाँ पर कई महिलाओं को साक्षर किया जा चुका है। अब भी कई महिलाएँ शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। आज का यह विशेष अवसर तब और भी महत्वपूर्ण हो गया जब इन 10 नई महिलाओं की शिक्षा की शुरुआत स्लेट, पेन्सिल, बिस्किट, जूस और पानी देकर की गई। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष रूपा सिन्हा, पूर्व अध्यक्ष सुधा सिंह, सुजाता श्रीवास्तव, मंगला बंसल और क्लब की संपादक डॉ. बेनू वर्तिका उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान सभी महिलाओं को शिक्षित करने के उद्देश्य से क्लब की प्रतिबद्धता और सामाजिक उत्तरदायित्व पर जोर दिया गया। इस पहल के माध्यम से गाँव की महिलाओं को शिक्षा के महत्व से परिचित कराया जा रहा है और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस प्रयास की सभी उपस्थित सदस्यों ने सराहना की और इसे गाँव के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

खेल दिवस के अवसर पर खेल उत्सव का आयोजन

बीएनएम। हरसिद्धि

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर गुरुवार को हरसिद्धि स्थित महावीर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में खेल उत्सव का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्घाटन भाजपा नेता राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, विद्यालय सचिव अजय कुमार, मनोज कुशवाहा एवं प्राचार्य रामजी प्रसाद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान भाजपा नेता श्री गुप्ता ने कहा कि खेल बच्चों के सम्पूर्ण विकास की एक कड़ी है। इसको माध्यम बनाकर जीवन में बेहतर किया जा सकता है। ऐसा आयोजन कर विद्यालय प्रबंधन ने खेल में रुचि रखने वाले बच्चों को प्रोत्साहित किया है। खेल उत्सव के दौरान सुई-धागा दौड़, गुब्बारा दौड़, कुर्सी दौड़ सहित अन्य खेल विद्याओं में बच्चों ने बेहतर प्रदर्शन किया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को आगत अतिथियों ने सम्मानित किया। इस अवसर पर अवधेश प्रसाद श्रीवास्तव सहित अन्य मौजूद थे। उक्त जानकारी सत्येंद्र कुशवाहा ने दी।

कृषि विभाग के सचिव ने कृषि पहल उद्यानिक प्रक्षेत्र का किया निरीक्षण

बीएनएम। मुजफ्फरपुर

कृषि विभाग के सचिव संजय अग्रवाल ने मुजफ्फरपुर जिले के बोचहा प्रखंड स्थित कर्णपूर दक्षिणी पंचायत में "कृषि पहल" उद्यानिक प्रक्षेत्र का निरीक्षण किया। इस प्रक्षेत्र में सब्जी, गुलाब और मशरूम की खेती के साथ-साथ शेड नेट में पालक और बंधागोभी की खेती की जा रही है। सिंचाई के लिए मिनी स्प्रिंकलर का उपयोग किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान, सचिव ने सहायक निदेशक उद्यान को निर्देशित किया कि प्रगतिशील किसानों को चिनिया केला, मालभोग केला, अंजीर की खेती के क्लस्टर बनाने के साथ-साथ स्ट्रॉबेरी और नारियल की खेती की योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाए। साथ ही, जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि इन किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) का लाभ दिलाया जाए।

सचिव ने सहायक निदेशक उद्यान को यह भी निर्देश दिया कि आसपास की बांस की खेती को उन्नत प्रभेद के बांस से प्रतिस्थापित किया जाए। निरीक्षण के दौरान, किसानों द्वारा विभिन्न मिलेट्स के उत्पादों का भी प्रदर्शन किया गया, जिसे सचिव ने अवलोकित किया।

प्रखंड, अंचल व मनरेगा में व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार को लेकर होगा अनिश्चितकालीन आमरण-अनशन

4 सितंबर से प्रखंड कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन आमरण-अनशन पर बैठने का पंचायत समिति सदस्य ने फैसला

बीएनएम। तुरकौलिया

दाखिल खारिज, परिमार्जन, आवास योजना का भुगतान करने में रिश्वत की मांग करने व मनरेगा में जारी लूट-खसोट और कर्मियों के मनमानी करने के विरुद्ध आगामी 4 सितंबर से प्रखंड कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन आमरण-अनशन पर बैठने का पंचायत समिति सदस्य ने फैसला किया है। प्रखंड, अंचल व मनरेगा में व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। इस मुद्दे को लेकर बेलवा राय के पंचायत समिति सदस्य इद महम्मद देवान ने आगामी 4 तारीख को भुख हड़ताल पर बैठने का फैसला लिया है। आमरण-अनशन पर बैठने की जानकारी जानकारी पंचायत समिति सदस्य इद महम्मद ने सदर एसडीओ को एक आवेदन देकर दी है। जहां उसने बताया है कि प्रखंड में भ्रष्टाचार बढ़ गया है। अंचल , प्रखंड व मनरेगा कर्मी पदाधिकारियों से गठजोड़ कर मनमानी कर रहे हैं। जनहित कार्य सुचारू रूप से नही हो रहा है। आमजनता व किसान परेशान हैं।अंचल कार्यालय द्वारा दाखिल खारिज व परिमार्जन ससमय नही किया जा रहा है। राज्स्व कर्मचारी अवैध राशि उगाही करने के फेरा में रहते हैं। रिश्वत नही मिलने पर निष्पादन करने के बजाय फाइलों को पेंडिंग में डाल दिया जाता है। किसान अंचल कार्यालय का लगातार चक्कर लगा रहे हैं। दाखिल खारिज व परिमार्जन नही किया जा रहा है। किसान पर बेहाल हैं। इतना ही नही आवास योजना में अवैध रुपए की उगाही आवास सहायक द्वारा किया जा रहा है। रिश्वत नही मिलने पर लाभार्थी के खाते में पैसे नही डाला जाता है। मनरेगा योजना में भी लूट-खसोट मचा है। कमीशनखोरी चरम सीमा पर पहुंच गया है। यह सभी काम बीडीओ, सीओ व मनरेगा पीओ के मार्गदर्शन में चल रहा है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि सभी पदाधिकारियों के मिलीभगत से उक्त सभी कार्यालयों में भ्रष्टाचार फल-फूल रहा है। जबकि कई बार इस मुद्दे को लेकर पंचायत समिति के बैठक में प्रस्ताव लाया गया है। इसके विरुद्ध सवाल भी उठाया गया है। लेकिन इसपर कोई ध्यान नही दिया जाता है। पंचायत समिति के बैठक में लिए गए प्रस्ताव पर कार्रवाई नही होने से जनहित कार्य बाधित हो रहा है। साथ ही भ्रष्टाचार भी पनप रहा है। इस सब मुद्दों को लेकर आगामी 4 सितंबर को प्रखंड व अंचल कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन आमरण-अनशन पर अपने सहयोगियों के साथ बैठने का निर्णय लिया गया है। ताकि बड़े पैमाने पर हो रहे भ्रष्टाचार व मनमानी पर रोक लगाई जा सके। साथ ही आमजन राहत की सांस ले सकें।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US
Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए। अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- 'आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था। महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं - हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है।

छत्रपति प्रतिमा का ढहना शासन-तंत्र की भ्रष्टता का प्रमाण

ललित गर्ग

मराठा पहचान और परम्परा के प्रतीक पुरुष, प्रथम हिन्दू नेता छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में की गयी 35 फीट ऊंची प्रतिमा का थरथरा कर गिर जाना राष्ट्रीय शर्म एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार का दुःखद अध्याय है। इस तरह हमारे एक महानायक की महान स्मृतियों से जुड़ी इस प्रतिमा का गिरना एवं ध्वस्त होना सरकार में गहरे पैठ चुके भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं रिश्वतखोरी को उजागर करता है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में जिस तीव्रता से व्याप्त है, उसका यह एक ज्वलंत उदाहरण है, जो सरकार की साख को धुंधला रही है, यह घटना भारतीय नौसेना की साख को भी बट्टा लगा रही है, यह घटना इसलिए भी गंभीर चिंता की बात है कि इससे हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की कलई खुल गई है। गौर कीजिए, इस प्रतिमा के निर्माण पर करीब 3,600 करोड़ रुपये की लागत आई थी और इसी 4 दिसंबर को नौसेना दिवस पर इसका अनावरण किया गया था। सिंधु दुर्ग में शिवाजी महाराज की इस प्रतिमा के गिर जाने से महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल आना स्वाभाविक है, इससे लोगों का आहत होना भी उचित हैं। क्योंकि छत्रपति शिवाजी महाराज महाराष्ट्र के महानायक एवं जन-जन की आस्था के केन्द्र हैं। वे महाराष्ट्र के जीवन का अभिन्न अंग हैं एवं वहां की राजनीति उनके नाम के इर्द-गिर्द घूमती है। महाराष्ट्र ही नहीं सम्पूर्ण देश में शिवाजी महाराज के प्रशंसक हैं। मराठों के अस्तित्व एवं अस्मिता के वे प्राण रहे हैं, मराठों को उन्होंने ने ही लड़ना सिखाया, उनके जीवन को उन्नत बनाया। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के महाराष्ट्र की सभी जातियों को एक भगवा झंडे के नीचे एकत्रित किया और मराठा साम्राज्य की स्थापना की। शिवाजी ने अपने राज्य-शासन में मानवीय नीतियां अपनाई थी जो किसी धर्म पर आधारित नहीं थीं। महाराष्ट्र क्योंकि उनकी जन्मस्थली ही नहीं कर्मस्थली भी रहा इसलिए महाराष्ट्र की आबोहवा में वे आज भी जीवंत हैं। ऐसे महानायक की प्रतिमा के गिर जाने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान खड़ा हो गया है। मूर्ति का निर्माण और डिजाइन नौसेना ने तैयार किया था। कहा तो यही जा रहा है कि 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं के कारण प्रतिमा टूटकर गिर गई। छत्रपति शिवाजी के महाराष्ट्र और मराठा संस्कृति के ही नहीं, बल्कि भारतीयता के प्रतीक एवं प्रेरणा पुरुष हैं। आम मराठी भावनात्मक रूप से उनसे जुड़ा है। ऐसे में, इस मूर्ति का ढहना राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार एवं भारतीय नौसेना की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है। चंद महीने बाद ही राज्य में विधानसभा चुनाव होने के कारण यह एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनना निश्चित है। एक मजबूत विपक्षी पार्टी शिव सेना की पूरी राजनीति शिवाजी के शौर्य व आत्म-गौरव से प्रेरित है, एनसीपी शरद पवार, कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने एकनाथ शिंदे सरकार को निशाना बनाना शुरू कर दिया है और आरोप लगाया है कि छत्रपति शिवाजी का स्मारक चुनावों को देखते हुए जल्दबाजी में बनाया गया था और इस काम में गुणवत्ता को पूरी तरह से अनदेखा किया गया। प्रतिमा का ढह जाना छत्रपति शिवाजी का अपमान तो है ही और यह जाहिर है कि इसका काम घटिया गुणवत्ता का था। इसीलिये घटना को शिवाजी के अपमान के रूप में पेश किया जाने लगा है। चुनाव की सरगर्मियों के बीच शिवाजी की प्रतिमा का मुद्दा चर्चा में आ गया है। इस मुद्दे को वोट जुटाने के लिए असरदार हथियार के रूप में जरूर इस्तेमाल किया जायेगा। लेकिन मूल प्रश्न है ऐसे भ्रष्टाचार को रोकने की दिशा में कब सार्थक प्रयास होंगे? राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार

को इस मामले में त्वरित कार्रवाई करके दोषियों को कड़ी सजा दिलानी चाहिए, ताकि न सिर्फ विपक्ष के आरोपों की धार को निस्तेज किया जा सके, बल्कि सार्वजनिक निर्माण में किसी किस्म की लापरवाही या उदासीनता बरतने वालों को भी यह संदेश मिल सके कि वे बख्शे नहीं जाएंगे। यह पहली घटना नहीं है, जिसमें किसी बड़ी निर्माण योजना की कमी इस तरह की भ्रष्ट एवं लापरवाही के रूप में उजागर हुई है। हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बार-बार तार-तार होती रही है। मई 2023 में उज्जैन के महालोक कोरिडोर में लगी सप्तऋषियों की मूर्तियां भी इसी तरह आंधी-तूफान में धराशायी हो गई थीं। अयोध्या में भी सड़के ध्वस्त हो गयी थी। बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों के ध्वस्त होने की घटनाएं हैरान करने के साथ-साथ चिंतित करने वाली बनी हैं। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल-1 पर छत गिरने की घटना से भी हर कोई हैरान हुआ है। मुंबई में घाटकोपर का होर्डिंग गिरना 14 लोगों की मौत का कारण बना था। कहीं नई बनी सड़कें धंस हो जाती हैं तो कहीं नई सरकारी इमारतों में दरारे पड़ जाती है। इन मूर्तियों, पुलों, सड़कों एवं सार्वजनिक निर्माण के अन्य सरकारी निर्माणों के ध्वस्त होने की घटनाओं ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। आज हमारी व्यवस्था चरमरा गई है, दोषग्रस्त हो गई है। इसमें दुराग्रही इतना तेज चलते हैं कि ईमानदारी बहुत पीछे रह जाती है। जो सद्प्रयास किए जा रहे हैं, वे निष्फल हो रहे हैं। प्रतिमाएं हो या पुल-इनके गिरने से जितने पैसों की बर्बादी होती है, उसकी भरपाई आखिर किससे कराई जाएगी? जाहिर है, इनकी वजहों को समझने के लिए किसी मजबूत, पारदर्शी एवं निष्पक्ष तंत्र की जरूरत है। निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता से समझौता और राजनीतिक दबाव में जल्द से जल्द कार्य पूरा करने की प्रवृत्ति ने ऐसी दुर्घटनाओं की गति एवं मात्रा बढ़ाई है। इसके लिए समूचे तंत्र को अपनी कार्य-संस्कृति पर भी गौर करने की जरूरत है। शिवाजी की प्रतिमा के तेज हवा में यूं ढह जाने से हमें सबक सीखने की जरूरत है। सवाल है कि जब सरकार किसी कंपनी को ऐसे राष्ट्रीय महत्व के निर्माण की जिम्मेदारी सौंपती हैं, उससे पहले क्या गुणवत्ता की कसौटी पर पूरी निर्माण योजना, डिजाइन, प्रक्रिया, सामग्री, समय-सीमा और संपूर्णता को सुनिश्चित किया जाना जरूरी समझा जाता? देश में भ्रष्टाचार सर्वत्र व्याप्त है, विशेषतः राजनीतिक एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार ने देश के विकास को अवरूद्ध कर रखा है। यही कारण है कि पुल या दूसरे निर्माण-कार्यों के लिए रखे गए बजट का बड़ा हिस्सा कमीशन-रिश्वतखोरी की भेंट चढ़ जाता है। इसका सीधा असर निर्माण की गुणवत्ता पर पड़ता है। निर्माण घटिया होगा तो फिर उसके धराशायी होने की आशंका भी बनी रहती है। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर निगरानी रखने के लिए पारदर्शी नीति नियामक केन्द्र बनाने के साथ उस पर अमल भी जरूरी है। विकसित देशों में भी ऐसे हादसे होते हैं, लेकिन अंतर यह है कि भारत में ऐसे हादसों से सबक नहीं लिया जाता। यह प्रवृत्ति दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना देखिये कि ऐसे भ्रष्ट शिखरों को बचाने के लिये सरकार कितने सारे झूठ का सहारा लेती है। रणनीति में सभी अपने को चाणक्य बताने का प्रयास करते हैं पर चन्द्रगुप्त किसी के पास नहीं है। घोटालों और भ्रष्टाचार के लिए हल्ला उनके लिए राजनैतिक मुद्दा होता है, कोई नैतिक आग्रह नहीं। कारण अपने गिरेबार में तो सभी झांकते हैं वहां सभी को अपनी कमीज दागी नजर आती है, फिर भला भ्रष्टाचार से कौन निजात दिलायेगा? ऐसी व्यवस्था कब कायम होगी कि जिसे कोई "रिश्वत" छू नहीं सके, जिसको कोई "सिफारिश" प्रभावित नहीं कर सके और जिसकी कोई कीमत नहीं लगा सके। ईमानदारी अभिनय करके नहीं बताई जा सकती, उसे जीना पड़ता है कथनी और करनी की समानता के स्तर तक। आवश्यकता है, राजनीति के क्षेत्र में जब हम जन मुखातिब हों तो प्रामाणिकता का बिल्ला हमारे सीने पर हो। उसे घर पर रखकर न आएं। राजनीति के क्षेत्र में हमारा कुर्ता कबीर की चादर हो। तभी इन मूर्तियों, पुलों, निर्माण कार्यों का भर-भराकर गिरना बन्द होगा।

विचारशील व्यक्ति को हर जगह सम्मान मिलता है-
सोफोक्लेस

तुम अपने मिनटों का ध्यान रखो, घंटे अपनी परवाह खुद कर लेंगे।
अर्ल ऑफ चेस्टरफील्ड

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, भाद्र कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि द्वादशी, शुक्रवासरे, कर्क की चंद्रमा, रात्रि 2/15 तक यायी जय योग रात्रि 8/21 से 3/29 तक सर्वार्थ सिद्ध योग तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक जिद्दी-हठी, सैनिक, सिपाही, सेना नायक, दस्ता नायक, कमाण्डर, बिग्रेडियर, मेजर तथा सेनापति होगा, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, शिक्षाविद्, उत्तम प्रकृति का सैनिक तथा धर्मगुरु व प्रबल ज्ञानी होगा।

मेष :- किसी के द्वारा धोखा देने से मनोवृत्ति खिन्न रहेगी, धन का व्यय तथा परिश्रम विफल होगा।
वृष :- समय अनुकूल नहीं है, लेन-देन के मामले विफल रहेंगे, व्यर्थ विवाद से बचें।
मिथुन :- व्यर्थ समय नष्ट होगा, यात्रा प्रसंग में थकावट व बेचैनी बनी रहेगी, समय समस्या का ध्यान रखें।
कर्क :- प्रयत्नशीलता विफल हो, परिश्रम करने में ही कुछ सफलता अवश्य मिलेगी।
सिंह :- परिश्रम से कार्यपूर्ण होंगे, तर्क-वितर्क से विजय प्राप्त हो, सफलता मिले, धन का लाभ होगा।
कन्या :- व्यवसायिक अनुकूलता से असंतोष किन्तु कार्य-व्यवस्था अनुकूल बनी रहेगी।
तुला :- किसी तनावपूर्ण वातावरण से बचिये, कुछ उदविघ्नता से परेशानी बने, मित्रों से लाभ होगा।
वृश्चिक :- परिश्रम से कार्य में सुधार होते हुए भी फलप्रद नहीं, कार्य विफलत्व की चिन्ता बनेगी।
धनु :- स्त्री वर्ग से उल्लास, इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे तथा रुके कार्य अवश्य ही बन जायेंगे।
मकर :- स्वभाव में क्लेश व अशांति, व्यर्थ विभ्रम, भय तथा उद्विघ्नता अवश्य बनेगी।
कुम्भ :- कार्यगति अनुकूल रहेगी, चिन्ताएW कम होंगी तथा विलासिता के साधन जुटायेंगे।
मीन :- आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा तथा इष्ट मित्रों का समर्थन फलप्रद होगा।

द्रोपदी का डर और डर की द्रोपदी

राकेश अचल

चलिए अच्छा हुआ कि कोलकाता बलात्कार कांड के बारे में बोलकर राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू भी उस कतार में शामिल हो गयीं जिसमें पहले से लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला,राज्य सभा के सभापति जयदीप धनकड़ और बंगाल के राज्यपाल सीबी आनंद बोस शामिल है।बिरला , ,धनकड़ और बोस पर सरकार के एजेंट के रूप में काम करने के आरोप लग चुके हैं, अब राष्ट्रपति ने भी कोलकाता काण्ड पर अपनी टिप्पणी कर ये सार्वजनिक कर दिया है कि वे देश की राष्ट्रपति बाद में हैं ,भाजपा की कार्यकर्ता पहले। निर्भया हत्याकांड के बाद सबसे ज्यादा चर्चित और राजनीति का औजार बने कोलकाता काण्ड के बीस दिन बाद राष्ट्रपति जी का बोलना मायने रखता है। इस मामले में पूरा देश बोल चुका है। एक राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू का बोलना रह गया था। राष्ट्रपति ने मामले पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि सभ्य समाज में बेटियों से ऐसे अपराध मंजूर नहीं हैं. मैं पूरी घटना से निराश और भयभीत हूं। राष्ट्रपति ने ये बात पीटीआई [भाषा] से बातचीत में कही। जाहिर है की पीटीआई को इस बात के लिए किसी ने आमंत्रित किया होगा कि वो राष्ट्रपति महोदया से मिलकर कोलकाता काण्ड पर उनका बयान ले। अन्यथा राष्ट्रपति जी ऐसे मामलों पर पहले कभी नहीं बोलीं। राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू बेहद भद्र और सहनशील महिला है। वे मान-अपमान से परे है। सरकार ने उनका कितनी बार अपमानित किया ये देश को तो याद है, लेकिन उन्हें नहीं। उन्होंने कभी अपने अपमान की शिकायत नहीं की ,बल्कि अपमान का घूँट खामोशी के साथ पिया । उलटे वे देश के प्रधानमंत्री जी को दही - मिश्री खिलातीं रहीं। कोलकता काण्ड पर भी उनसे बुलवाया गया है। उन्होंने कहा कि बेटियों के खिलाफ ऐसे अपराध मंजूर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना पर कोलकाता में छात्र, डॉक्टर और नागरिक प्रदर्शन कर रहे थे जबकि अपराधी कहीं और घूम रहे थे। अब बस बहुत हुआ। समाज को ईमानदार होने और आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है। समाज को आत्ममंथन करने की जरूरत है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब राष्ट्रपति ने इस घटना बयान दिया है। राष्ट्रपति महोदया का बोलना बुरा नहीं है ,बल्कि उन्हें तो बहुत पहले से वाचाल होना ही चाहिए , क्योंकि देश के तमाम ज्वलंत मुद्दों पर देश के प्रधानमंत्री जी मौन साध लेते हैं। लेकिन तकलीफ ये है कि राष्ट्रपति जी ने बोलने में देर कर दी। वे तब बोलीं जब इस मुद्दे पर लाल किले से बोला जा चुका है । वे तब बोलीं जब बंगाल को भाजपा बंद करा चुकी है। वे तब बोलीं जब सौरब गांगुली इस मुद्दे पर बोल चुके हैं । राष्ट्रपति जी तब बोलीं जब ये पूरा मामला राजनीति का मुद्दा बन गया है। राष्ट्रपति को महिला उत्पीड़न के हर मामले में बोलना चाहिए। उन्हें राज्य की सीमाएं नहीं देखना चाहिये । वे बंगाल के अलावा उत्तराखंड ,मप्र,महाराष्ट्र, बिहार और उत्तर प्रदेश में हो रहीं बलात्कार और महिला उत्पीड़न के मामलों पर भी बोल सकतीं हैं। राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू को हक है कि वे किसी भी मुद्दे पर बोल सकतीं है, लेकिन बोलतीं नहीं है। वे तभी बोलतीं हैं जब उनसे बोलने के लिए कहा जाता है। अन्यथा वे चाहतीं तो 9 अगस्त की इस जघन्य वारदात के बाद सीधे बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी से फोन पर बात कर सकतीं थीं । उन्हें अपने मन में बैठे भय से वाकिफ करा सकतीं थीं ,किन्तु उन्होंने ऐसा नहीं किया। क्योंकि वास्तव में वे भयभीत नहीं थीं। भयभीत होतीं तो क्या 20 दिन मौन बनीं रहती ? उनके भयभीत होने का कोई कारण भी नहीं है। उन्हें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा हासिल है ,फिर भी वे भयभीत हैं तो, कुछ दिन के लिए अपना भय दूर करने के लिए विदेश यात्रा कर सकतीं हैं। बंगाल के मामले में राष्ट्रपति जी का बयान विमर्श में आना चाहिए। अब देश की बैशाखी सरकार के लिए बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने का रास्ता बिलकुल साफ़ है। कम से कम राष्ट्रपति जी का भय दूर करने के लिए तो बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाया ही जा सकता है ,क्योंकि बिना राष्ट्रपति शासन लगाए बंगाल की सत्ता भाजपा के हाथ में आने वाली नहीं है ,ये बात पिछले दो विधानसभा चुनावों में साफ़ हो चुकी है। हाल के लोकसभा चुनावों के नतीजे भी यही संकेत देते हैं की भाजपा के लिए बंगाल जीतना आसान नहीं है। आप हैरान हों या न हों किन्तु मै हैरान हूँ कि राष्ट्रपति जी कोलकाता के एक काण्ड से भयभीत हो गयीं लेकिन उन्हें मणिपुर में ऐसे ही असंख्य वारदातों के बाद भी भय नहीं लगा । उन्होंने मणिपुर के बारे में कभी एक शब्द नहीं कहा। मुमकिन है कि उन्हें भी मणिपुर इस देश का हिस्सा न लगता हो ,जैसा की माननीय प्रधानमंत्री जी को नहीं लगता ।

अब असंगठित क्षेत्र के मुलाजिमों को भी मिले पेंशन और सामाजिक सुरक्षा

आर.के. सिन्हा

सरकार ने हाल ही में एकीकृत पेंशन योजना यानी यूनीफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को लागू करने की अंततः घोषणा कर ही दी। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो देश भर में सेवानिवृत्त सरकारी कर्मियों के हितों की रक्षा करती है। नई पेंशन योजना 1 अप्रैल 2025 से लागू होगी। इससे कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद निश्चित पेंशन मिलेगी। इसकी रकम सेवानिवृत्ति से पहले के 12 महीने के औसत मूल वेतन का 50 फीसदी होगी। 25 वर्ष तक की सेवा पर ही यह रकम मिल सकेगी। 25 वर्ष से कम और 10 साल से ज्यादा की सेवा पर उसके अनुपात में भी पेंशन मिलेगी। किसी भी कर्मचारी के निधन से पहले पेंशन की कुल रकम का 60 फीसदी हिस्सा परिवार को मिलेगा। दरअसल नई पेंशन योजना के लागू होने से सरकारी बाबुओं को बहुत बड़ी दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता मिलेगी। केंद्र सरकार के कर्मचारियों की नई पेंशन योजना (एनपीएस) में सुधार की लंबे समय से मांग की जा रही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अप्रैल 2023 में टीवी सोमनाथन के नेतृत्व में इस पर एक समिति का गठन भी किया था। जेसीएम (संयुक्त सलाहकार तंत्र) सहित व्यापक परामर्श और चर्चा के बाद समिति ने एकीकृत पेंशन योजना की सिफारिश की थी। भारत में, वृद्धावस्था में वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पेंशन सबसे महत्वपूर्ण साधन है। यह न केवल कर्मचारियों को काम करने के बाद जीवन स्तर बनाए रखने में मदद करता है, बल्कि ; सेवा निवृत्त कर्मचारियों को बाक़ी जीवन परिवार और समाज में , यहाँ तक कि अपने बच्चों की नज़र सम्मानपूर्वक बिताने का ज़रिया देता है ।जब कर्मचारी सेवानिवृत्त होते हैं, तो उनके आमदनी का स्रोत अचानक खत्म हो जाता है। पेंशन, भले ही सेवा के दौरान प्राप्त होने वाली आय से आधी हो , एक नियमित आय तो प्रदान करता ही है, जो उन्हें आवश्यक खर्च जैसे भोजन, स्वास्थ्य सेवा, और आवास के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराता है। इससे वित्तीय अनिश्चितता के खतरे को बहुत हद तक कम किया जा सकता है। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने 2004 में राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) शुरू की थी। उसमें कर्मचारियों और सरकार दोनों ने कर्मचारी के मूल वेतन और महंगाई भत्ते (डीए) का 10% योगदान सेवानिवृत्ति निधि में दान किया। इस फंड को बाजार-जुड़े साधनों के मिश्रण में निवेश किया गया था, और रिटर्न में प्राप्त आय से पेंशन राशि का निर्धारण किया। हालाँकि , इस प्रणाली ने बहुत आवश्यक वित्तीय अनुशासन भी लाया और सरकार की बिना फंड वाली पेंशन देनदारियों को कम किया। लेकिन , उसने सेवानिवृत्त लोगों के लिए अनिश्चितता भी पैदा की, क्योंकि पेंशन बाजार के प्रदर्शन पर निर्भर थी। उदाहरण के लिए, बाजार में गिरावट के दौरान, सेवानिवृत्त लोगों ने कम रिटर्न देखा, जिससे उनकी वित्तीय सुरक्षा के बारे में चिंताएं बढ़ीं। एक बात जान लें कि नई पेंशन का राज्य सरकार के कर्मचारियों को भी लाभ मिलेगा यदि कोई राज्य सरकार इसे लागू करना चाहती हैं तो। कांग्रेस का एनपीएस पर रुख सदैव अस्पष्ट रहा और लगातार बदलता भी रहा। शुरू में, कांग्रेस ने एनपीएस की सराहना की। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इसे एक बेहतर पेंशन मॉडल बताया। हालांकि, बाद में कांग्रेस ने इसकी कमियां निकालनी शुरू कर दीं , मात्र अपने सियासी स्वार्थों के कारण। पुरानी पेंशन योजना को खत्म करने के लिए केंद्र की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार को आलोचना का सामना करना पड़ा था। केंद्र से लेकर राज्यों के भी सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन स्कीम को वापस लाने की मांग करते ही रहे थे। राजस्थान में जब कांग्रेस की सरकार थी तो उन्होंने पुरानी पेंशन को लागू किया था, जोकि आज तक लागू है। हिमाचल प्रदेश में भी पुरानी पेंशन योजना को लागू किया जा चुका है। अब एकीकृत पेंशन योजना पर मोहर लग गई है। एकीकृत पेंशन योजना की सबसे बड़ी खूबी यही है कि इसमें पुरानी पेंशन योजना यानी ओपीएस और राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) की खासियतों को शामिल किया गया है। ओपीएस की तरह यूपीएस में भी निश्चित पेंशन सुनिश्चित की जा रही है और यही मांग कर्मचारियों की लगातार रही है। यूपीएस प्रति माह 10 हजार रुपए की न्यूनतम पेंशन गारंटी पेश देती है। यूपीएस से लाखों सरकारी कर्मियों को रिटायरमेंट के बाद आर्थिक सुरक्षा मिलेगी। वर्ना जिन लोगों को किसी तरह की पेंशन रिटायरमेंट के बाद नहीं मिलती है, उन्हें बहुत कष्ट और जलीलत की ज़िंदगी झेलना पड़ता है। देश के निजी क्षेत्र से जुड़े लाखों-करोड़ों लोगों को हर माह बड़ी मुश्किल से दो-ढाई हजार रुपए ही पेंशन मिलती है। अब आप सोच सकते हैं कि इतनी कम राशि से तो कोई इंसान अपने महीने का चाय-पानी का खर्च भी नहीं निकाल सकता है। मेरे बहुत सारे पत्रकार मित्रों को रिटायर होने के बाद मात्र दो-तीन हजार रुपए मिलते हैं पेंशन के रूप में। यही हाल अन्य विभागों से जुड़े रिटायर कर्मियों का भी है। नई पेंशन योजना प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का एक अहम फैसला मानी जाएगी। इसका लक्ष्य सरकारी कर्मियों को सामाजिक सुरक्षा देना है। इस तरह की नीति कोई दूरदर्शी नेतृत्व ही ला सकता है। यह एक ऐसी योजना है जो पिछली पेंशन योजनाओं की सारी अच्छी बातों का निचोड़ है। सवाल पूछा जा रहा है कि क्या सरकरी कर्मियों को रिटायर होने पर ग्रेच्युटी के अतिरिक्त एकमुश्त भुगतान का भी लाभ मिलेगा? इस सवाल का जवाब यह है कि कर्मियों को सेवानिवृत्ति पर ग्रेच्युटी के अतिरिक्त एकमुश्त भुगतान का लाभ भी मिलेगा। सेवानिवृत कर्मियों के पास वित्तीय सुरक्षा होने का अर्थ है कि वे अपने परिवारों की देखभाल करने, बच्चों की शिक्षा में योगदान देने, और अर्थव्यवस्था को समर्थन देने के लिए अधिक संसाधन रख सकते हैं। यह बुढ़ापे में आश्रित होने के बजाय स्वतंत्र जीवन जीने में मदद करता है। एक स्थिर पेंशन प्रणाली कर्मचारियों को अपनी नौकरी के प्रति अधिक प्रतिबद्धता और निष्ठा पैदा करती है। उन्हें लगता है कि रिटायर होने के बाद उन्हें वित्तीय सुरक्षा मिलेगी, इसलिए वे अपनी नौकरी में अधिक ध्यान केन्द्रित करते हैं। एक बात यह भी है कि पेंशन योजनाएं आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा देती हैं। निवेश योजनाओं में पेंशन फंडों के निवेश से आर्थिक विकास को प्रोत्साहन मिलता है, रोजगार के अवसर बढ़ते हैं, और देश की समग्र आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। भले ही पेंशन के कई लाभ हैं, भारत में अभी भी कई चुनौतियां हैं। भारत के असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले अनगिनत मेहनतकशों को कोई पेंशन नहीं मिलती। इनकी कुल संख्या सरकारी कर्मचारियों की संख्या से कई गुना ज़्यादा है और उनकी आय भी कम और अनिश्चित है । आख़िर , वे भी तो भारतीय नागरिक ही हैं। सरकार को इनके बारे में भी गम्भीरतापूर्वक सोचने की आवश्यकता है ।

देश में नैतिक पतन जारी हैः इसे कैसे रोका जाए?

एल.एस. हरदेनिया

पश्चिम बंगाल और केरल सांस्कृतिक दृष्टि से देश के सर्वोपरि राज्य हैं। दोनों राज्यों को देश के महान संस्कृतकर्मियों ने योगदान दिया है। बंगाल में रवीन्द्रनाथ टैगोर, मदर टेरेसा, सुभाषचन्द्र बोस, ज्योति बसु, आदि शामिल हैं। अनेक कवि, सत्यजीत रे समेत अनेक फिल्मकर्मियों ने जन्म लिया है, ऐसे महान राज्य में एक महिला डाक्टर के साथ जो कुछ हुआ वह बंगाल के चेहरे पर कालिख है। इस महिला डाक्टर के साथ न सिर्फ दुष्कर्म किया गया वरन् उसकी हत्या भी की गई। घटना के बाद जो तथ्य सामने आ रहे हैं उनसे लगता है कि वह अनेक गुप्त बातों की जानकार थी जो मेडिकल प्रोफेशन में नहीं होना थी। वह इन बातों को उजागर करे उसके पहले ही उसकी हत्या कर दी गई। केरल देश का संस्कृति, शिक्षा, स्वास्थ्य, आदि क्षेत्रों में देश का ही नहीं वरन् दुनिया में भी सर्वोपरि है। अभी हाल में जाहिर किए गए आंकड़े से पता लगा है कि एक लाख में से 19 माताएँ या तो बच्चे के जन्म देने के तुरंत बाद या गर्भावस्था के दौरान मर जाती हैं। यह आँकड़ा अमरीका से भी आगे है। उसके विपरीत उत्तरप्रदेश में 1 लाख में से 167, मध्यप्रदेश में 173 असम में 195 महिलाएँ मृत्यु को प्राप्त होती हैं। शिक्षा के क्षेत्र में लगभग 100 प्रतिशत आबादी शिक्षित हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी इसी तरह पूरे देश में वह सर्वोच्च शिखर पर है। ऐसे प्रदेश में वहां के फिल्म जगत में काम करने वाली महिलाओं ने अपने साथ दुष्कर्म की शिकायत की। उनकी शिकायत के चलते वहां की सरकार ने एक अवकाश प्राप्त हाईकोर्ट जज की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया। इस आयोग ने वहां की सुप्रसिद्ध अभिनेत्रियों की शिकायत को सुना और यह आयोग इस नतीजे पर पहुंचा कि वहां की प्रसिद्ध अभिनेत्रियों की शिकायत सही है। इस आयोग की रिपोर्ट 2019 में मुख्यमंत्री को भेजी गई। परंतु किन्हीं कारणों से मुख्यमंत्री ने इस रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया। इस बीच उन पर दबाव बढ़ता रहा और इस माह में रिपोर्ट सार्वजनिक की गई। रिपोर्ट सार्वजनिक करने में इतनी देर क्यों हुई इस संबंध में मुख्यमंत्री ने अनेक प्रकार के स्पष्टीकरण दिये हैं जिनमें एक स्पष्टकीरण के अनुसार उनका कहना था कि देरी के लिए आयोग के अध्यक्ष ने स्वयं रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं करने का सुझाव दिया था। कारण जो भी हो परंतु मलियालम में बनी फिल्में अद्भुत समझी जाती हैं। इन फिल्मों को बनाने में जिन अभिनेत्रियों का योगदान रहता है उनके साथ इस तरह का व्यवहार केरल को शर्मसार करने वाली घटना है। हमारे प्रधानमंत्री कहते हैं कि भारतवर्ष शीघ्र ही विश्वगुरू बनेगा। परंतु जो विश्वगुरू बनने वाला है उसके 150 सांसदों एवं विधायकों के खिलाफ अपराधों के मामले दर्ज हैं। इन मामलों में कुछ दुष्कर्म के भी मामले हैं। जिस देश के 150 जनप्रतिनिधि अपराधों में शामिल हों वह कैसे विश्वगुरू बन पायेगा। हमारे देश में इस समय महिलाओं के साथ दुष्कर्म और अनेक अपराधों की खबरें आ रही हैं। महाराष्ट्र में अभी हाल में जो घटना हुई उसकी तो कल्पना ही नहीं की जा सकती थी। एक स्कूल की 4 साल की दो बच्चियों के साथ उसी स्कूल में काम करने वाले एक कर्मचारी ने दुष्कर्म किया। उसी महाराष्ट्र में कुछ दिनों बाद एक 7 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना की खबर सामने आई। असम में भी ट्यूशन से घर वापिस आ रही एक बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना हुई। इसके विरोध में असम में पूरे राज्य में प्रदर्शन हुए। परंतु इस घटना को लेकर वहां के मुख्यमंत्री ने जो प्रतिक्रिया जाहिर की वह चैंकाने वाली है। इस बच्ची के साथ अपराध करने वाला व्यक्ति अल्पसंख्यक पाया गया। इस बात का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में यहां के मूल निवासी अपने आपको असुरक्षित महसूस करते हैं। शायद उनका किसकी ओर है यह वही बता सकते हैं। समाज में आए दिन सभी रिश्तों को तोड़ते हुए घटनाएं हो रही हैं। एक समाचार के अनुसार एक पत्नी ने अपने बेटे के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। हत्या में तकिये का उपयोग किया गया। हत्या इसलिए की गई क्योंकि अपने पति की इस दूसरी पत्नि की निगाह अपने पति के रिटायर होने पर मिली भारी रकम पर नज़र थी। उसको डर था कि उसका पति उनकी पहली पत्नि की संतानों को रकम का भारी हिस्सा दे देंगे। ऐसी स्थिति पैदा हो इसके पहले ही उसने अपने पति की हत्या कर दी। जिस पत्नि ने हत्या की वह स्वयं अपने पहले पति को तलाक देकर दूसरी शादी की थी। एक और मामले में एक पति ने अपनी पत्नि की हत्या करके स्वयं थाने को सूचित कर दिया कि उसने अपनी पत्नि की हत्या की है। कारण उसे अपनी पत्नि के चरित्र पर संदेह था। इस तरह की घटनाएँ आएदिन हो रही हैं। पति-पत्नि का रिश्ता अत्यधिक विश्वास का रिश्ता होता है। परंतु उसमें भी कभी भी खटाई पड़ जाती है और हत्या के समान जघन्य अपराध हो जाते हैं। एक अखबार में खबर छपी है कि कुछ लोग महिलाओं के या बच्चियों के साथ दुष्कर्म का वीडियो बनाते हैं और फिर उस वीडियो को भारी कीमत पर बेचते हैं। इस अखबार के अनुसार यह एक बड़ा धंधा हो गया है। इसलिए इस तरह की खबरे पढ़ने को मिलती हैं कि महिला या बच्ची अपने को दुष्कर्म से मुक्त करने के लिए अपील करती हैं परंतु उसे बचाने के स्थान पर लोग उसका वीडियो बनाने में लगे रहते हैं। इस तरह की घटनाएं ही इस बात का सबूत है कि इंसान की संवेदनशीलता को क्या हो गया है? हम लाखों की संख्या में प्रवचन सुनने जाते हैं परंतु उस प्रवचन से हमारी आत्मा पर क्या असर हुआ यह ज्ञात नहीं होता है। अभी हाल में महाराष्ट्र में एक हिन्दू संत ने इस्लाम के पैगंबर के खिलाफ अपमानजनक बातें की। उसकी प्रतिक्रिया में मध्यप्रदेश के छतरपुर नाम के स्थान पर मुसलमानों ने रोष प्रकट किया। थाने का घेराव किया और पुलिसकर्मियों को घायल किया। इस घटना के विरोध में पुलिस और प्रशासन ने सख्त कार्यवाही की। कार्यवाही के फलस्वरूप एक धनी मुस्लिम के मकान को नेस्तनाबूद कर दिया गया। न सिर्फ मकान को नेस्तनाबूद किया बल्कि जो वाहन वहां थे उनको भी तोड़ डाला। क्या वाहन भी प्रदर्शन में शामिल थे? फिर मकान को नेस्तनाबूद करने के पहले इस बात की भी जानकारी नहीं ली गई उसकी कानूनी स्थिति क्या है। यह भी बताया गया कि इस विशाल मकान के भीतर जो मूल्यवान वस्तुएं थीं जैसे गहने, टीवी, फ्रिज उनका क्या हुआ। यदि मकान गैरकानूनी था तो जब वह बन रहा था तब उसका निर्माण क्यों नहीं रोका गया। इस तरह की घटनाएं मध्यप्रदेश के और स्थानों पर भी हुई हैं और उत्तरप्रदेश में तो बड़े पैमाने पर हो रही हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते फार्मास्युटिकल क्षेत्र को आज शानदार उद्योग में शुमार किया जाने लगा है। दवाओं के वितरण से लेकर मार्केटिंग, पैकेजिंग, मैनेजमेंट, सभी फार्मास्युटिकल के अहम हिस्से हैं। भारत में इस समय 23 हजार से भी अधिक रजिस्टर्ड फार्मास्युटिकल कंपनियां है। इस इंडस्ट्री में तकरीबन दो लाख लोगों को काम मिला हुआ है। फार्मा इंडस्ट्री की वर्तमान प्रगति को देखते हुए अगले कुछ वर्षों में इस इंडस्ट्री को दो से तीन गुना स्किल्ड लोगों की जरूरत होगी।

फार्मा में है शानदार रोजगार

फार्मा इंडस्ट्री में भारत का रुतबा रिसर्च एंड डेवलपमेंट से लेकर मैन्युफैक्चरिंग, क्लिनिकल ट्रायल, जेनेटिक ड्रग रिसर्च तक फैल चुका है। दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते फार्मास्युटिकल क्षेत्र को आज शानदार उद्योग में शुमार किया जाने लगा है। दवाओं के वितरण से लेकर मार्केटिंग, पैकेजिंग, मैनेजमेंट, सभी फार्मास्युटिकल के अहम हिस्से हैं। इसमें भारत की भागीदारी सबसे अहम है। अहम वजह यह है कि भारत में इस समय 23 हजार से भी अधिक रजिस्टर्ड फार्मास्युटिकल कंपनियां है। इस इंडस्ट्री में तकरीबन दो लाख लोगों को काम मिला हुआ है। फार्मा इंडस्ट्री की वर्तमान प्रगति को देखते हुए अगले कुछ वर्षों में इस इंडस्ट्री को दो से तीन गुना स्किल्ड लोगों की जरूरत होगी। क्लिनिकल रिसर्च आउटसोर्सिंग यानी 'ओआरजी' रिसर्च फर्म के मुताबिक भारतीय फार्मा उद्योग 12-13 फीसदी की दर से वृद्धि कर रहा है। मैकिंजे की ताजा रिपोर्ट भी इस बात को पुख्ता करती है। मैकिंजे की रिपोर्ट के मुताबिक 2020 तक इस उद्योग में तीन गुणा बढ़ोत्तरी होगी। ये तो रिपोर्ट है। वैसे भारत का फार्मास्युटिकल उद्योग 24 हजार करोड़ रुपये से अधिक का है, जिसमें निर्यात भी शामिल है। वर्ष 2005 में देश की फार्मा इंडस्ट्री का कुल प्रोडक्शन करीब 9 बिलियन डॉलर था, जिसके वर्ष 2010 के अंत तक 25 बिलियन हो जाने की उम्मीद जताई गई है। इसकी वाजिब वजह भी है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान हमारे देश में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी है। आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है।

कार्य प्रकृति

सामान्य उत्पादों की मार्केटिंग के लिए जहां सीधे डीलर या कस्टमर से संपर्क करना होता है, वहीं दवाओं की मार्केटिंग में डॉक्टर अहम कड़ी होता है। दवा की खूबियों के बारे में डाक्टरों को संतुष्ट करना जरूरी होता है, तभी वे इसे मरीजों के प्रिस्क्रिप्शन में लिखते हैं। इसके अलावा दुकानों में दवा की उपलब्धता का पता भी रखना होता है। इन्हीं जरूरतों को देखते हुए फार्मा मैनेजमेंट कोर्स की शुरुआत की गई है। फार्मा मैनेजमेंट के क्षेत्र में काम करने के लिए मैनेजमेंट के साथ दवा निर्माण में इस्तेमाल होने वाले पदार्थ एवं तकनीक का भी ज्ञान होना चाहिए। दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव, मार्केटिंग ऑफिसर के रूप में प्रशिक्षित लोगों को ही रखना चाहती हैं। 2005 के बाद मल्टीनेशनल कंपनियों के भारत में आगमन से बाजार में अधिक उछाल आया है। वे भारतीय कंपनियों के साथ गठजोड़ कर सस्ते प्रोडक्ट बनाने और बेचने लगी हैं। इसका असर यहां के बाजारों पर पड़ा है।

योग्यता

100 से अधिक संस्थानों में डिग्री और 200 से अधिक संस्थानों में डिप्लोमा कोर्स चलाए जा रहे हैं। फार्मा के फील्ड में अगर करियर बनाना है तो इसके लिए न्यूनतम योग्यता है 12वीं। और न्यूनतम मार्क्स है 50 प्रतिशत। यूं तो किसी भी फैकल्टी के छात्र इस कोर्स के लिए योग्य हैं, लेकिन विज्ञान संकाय खासकर जीव विज्ञान, कैमिस्ट्री, जूलोजी और बॉटनी के छात्रों के लिए फार्मा क्षेत्र में करियर बनाना आसान है। बीफार्मा और डीफार्मा के अलावा आप फार्मास्युटिकल में अनुसंधान और शोध भी कर सकते हैं।

कौन-कौन से हैं कोर्स?

इनवोटेक फार्मा बिजनेस स्कूल की निदेशक उषा गुप्ता का कहना है कि फार्मा क्षेत्र आज सर्वाधिक संभावनाओं से भरा है। मास्टर्स इन फार्मेसी, बैचलर ऑफ फार्मेसी, डिप्लोमा इन फार्मेसी, पीजी डिप्लोमा इन फार्मास्युटिकल एवं हैल्थ केयर, प्रोफेशनल डिप्लोमा इन फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट, डिप्लोमा इन फार्मा सेल्स एंड मार्केटिंग, एमबीए इन फार्मा मैनेजमेंट जैसे कोर्स हैं। इन पाठय़क्रमों की अवधि तीन महीने से 3 वर्ष के बीच है।

कहां-कहां है जॉब

फार्मासिस्ट

फार्मसी के डिग्रीधारकों को सरकारी व गैर-सरकारी अस्पतालों के फार्मा विभाग में नौकरी मिल जाती है। विदेशों में भी फार्मासिस्ट की खूब डिमांड है। इसके अलावा जो खुद की फार्मास्युटिकल यूनिट शुरू करना चाहते हैं, उन्हें भी डिग्री के आधार पर लाइसेंस मिल जाता है।

रिसर्च ऑफिसर एवं साइंटिस्ट

इस फील्ड में शोध की काफी गुंजाइश है। नामी दवा कंपनियों के रिसर्च एंड डेवलपमेंट विंग में वर्तमान समय में हो रहे विस्तार को देखते हुए बतौर वैज्ञानिक संभावनाओं की कमी नहीं है।

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव

प्रत्येक फार्मा कंपनी बाजार में अपनी पकड़ मजबूत बनाने, दवाओं के प्रचार-प्रसार के लिए बड़ी संख्या में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव एपॉइंट करती है।

मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव

यह सामान्य उत्पादों की मार्केटिंग से बिलकुल अलग है। दवाओं की मार्केटिंग में डॉक्टर अहम होता है, उन्हें संतुष्ट करना होता है। दवा की खूबियां बतानी होती हैं, तभी वे मरीजों के प्रिसक्रिप्शन में लिखते हैं। इसके अलावा दुकानों में दवा कैसे उपलब्ध हो, यह मार्केटिंग एग्जिक्यूटिव तय करता है। इसके अलावा प्रोडक्ट्स एग्जिक्यूटिव, क्वालिटी कंट्रोल, कोऑर्डिनेटर जैसे पदों पर नियुक्ति हो सकती है। खुद की दवा कंपनी या दुकान खोल कर रोजगार शुरू किया जा सकता है।

आमदनी

इस फील्ड में शुरुआती मासिक वेतन 8 से 15 हजार रुपये तक है। इसमें फार्मासिस्ट, थैरेपिस्ट, मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव, प्रोडक्ट एग्जिक्यूटिव पद शामिल हैं। वहीं रिसर्च और एंट्री लेवल पर सैलरी डेढ़ लाख रुपये वार्षिक मिलती है। मार्केटिंग क्षेत्र में एक फ्रेशर को 3 से 3.5 लाख रुपये वार्षिक मिल जाते हैं।

एनजीओ सेवा कीजिए मेवा लीजिए

एनजीओ- नॉन गवर्नमेंटल ऑर्गनाइजेशन यानी गैर सरकारी संगठन। एनजीओ किसी मिशन के तहत चलाए जाते हैं। सामाजिक समस्याओं को हल करना और विभिन्न क्षेत्रों में विकास की गतिविधियों को बल देना एक एनजीओ का मुख्य उद्देश्य होता है। कार्यक्षेत्र के रूप में कृषि, पर्यावरण, शिक्षा, संस्कृति, मानवाधिकार, स्वास्थ्य, महिला समस्या, बाल-विकास आदि में से कोई भी चुना जा सकता है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां आप नाम और दाम, दोनों कमा सकते हैं। वह जमाना गया, जब इस क्षेत्र में आमतौर पर वे ही लोग आते थे, जो खुद के संसाधनों या सिर्फ दान वगैरह के बूते समाजसेवा करना चाहते थे। अब एनजीओ रोजगार के बढ़िया साधन बन चुके हैं। कई बार कई दूसरी नौकरियों से भी अच्छे वेतनमान पर काम यहां मिल सकता है। किसी अंतरराष्ट्रीय पहचान वाले एनजीओ में बात बन जाए तो फिर बात ही क्या है। समाज सेवा का सुकून तो इसमें है ही।

इस क्षेत्र की विशिष्टता यही है कि रोजगार का साधन होने के बावजूद समाजहित की भावना इसमें सर्वोपरि होनी चाहिए। यह उन लोगों के लिए अच्छा क्षेत्र है, जो सामाजिक समस्याओं के प्रति संवेदनशील हों, समाज हित के विभिन्न पहलुओं पर गहरी निष्ठा, लगन और रुचि के साथ काम करना चाहते हों और सिर्फ पैसा कमाना ही जिनका मकसद न हो।

बहुत बड़ा है एनजीओ संसार

एनजीओ के प्रति आकर्षण का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि मौजूदा समय में हमारे देश में सक्रिय सूचीबद्ध एनजीओ की संख्या एक रिपोर्ट के मुताबिक 33 लाख के आसपास है। यानी हर 365 भारतीयों पर एक एनजीओ। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा एनजीओ हैं, करीब 4.8 लाख। इसके बाद दूसरे नंबर पर आंध्रप्रदेश है। यहां 4.6 लाख एनजीओ हैं। उत्तर प्रदेश में 4.3 लाख, केरल में 3.3 लाख, कर्नाटक में 1.9 लाख, गुजरात व पश्चिम बंगाल में 1.7-1.7 लाख, तमिलनाडु में 1.4 लाख, उड़ीसा में 1.3 लाख तथा राजस्थान में एक लाख एनजीओ सक्रिय हैं। इसी तरह अन्य राज्यों में भी बड़ी तादाद में गैर सरकारी संगठन काम कर रहे हैं। दुनिया भर में सबसे ज्यादा सक्रिय एनजीओ हमारे ही देश में हैं। धन की बात करें तो दान, सहयोग और विभिन्न फंडिंग एजेंसियों के जरिये एनजीओ क्षेत्र में अरबों रुपया आता है। अनुमान है कि हमारे देश में हर साल सारे एनजीओ मिल कर 40 हजार से लेकर 80 हजार करोड़ रुपये तक जुटा ही लेते हैं।

कैसे करें पढ़ाई

एनजीओ क्षेत्र की व्यापकता को देखते हुए आसानी से समझा जा सकता है कि अब एनजीओ प्रबंधन कितना महत्त्वपूर्ण काम बन चुका है। देश में कई संस्थान और विश्वविद्यालय हैं, जो बाकायदा एनजीओ प्रबंधन से जुड़े पाठ्यक्रम चला रहे हैं। 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक हों तो एनजीओ प्रबंधन के पोस्ट ग्रेजुएट पाठ्यक्रम में दाखिला ले सकते हैं। अनुभवी एनजीओ प्रोफेशनल, सामाजिक कार्यकर्ता और स्वयंसेवी भी अलग-अलग तरह के कोर्स कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों में जिन विषयों के बारे में खासतौर से बताया जाता है, वे हैं— सामुदायिक विकास, सामाजिक उद्यमशीलता, वैश्विक मुद्दों की समझ, पर्यावरण शिक्षा, सूचना प्रबंधन, प्रशासनिक और वित्तीय प्रबंधन, नेतृत्वशीलता आदि। यों एनजीओ चलाने के लिए किसी खास शैक्षिक योग्यता की अनिवार्यता नहीं है, परंतु जब कार्यकुशलता, व्यवस्थित प्रबंधन की बात आती है, खासतौर से रोजगार की संभावनाओं के संदर्भ में, तो एनजीओ प्रबंधन से जुड़े ये कोर्स विशेष उपयोगी हो जाते हैं।

समाज कल्याण में मास्टर डिग्री (एमएसडब्ल्यू), समाजविज्ञान या ग्रामीण प्रबंध में कोई भी मास्टर डिग्री एनजीओ क्षेत्र में आगे बढ़ने की दृष्टि से उपयोगी है। समाज कल्याण में बीए, एमए या बीएसडब्ल्यू भी किए जा सकते हैं। जो युवा अध्ययन जारी रखना चाहते हैं वे एमफिल या पीएचडी भी कर सकते हैं। भारतीय समाज कल्याण एवं व्यवसाय प्रबंधन संस्थान (कोलकाता), टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (मुंबई), दिल्ली विश्वविद्यालय, राजस्थान विश्वविद्यालय, जामिया मिल्लिया विश्वविद्यालय आदि डिप्लोमा और डिग्री के कई पाठय़क्रम संचालित कर रहे हैं। जो छात्र एनजीओ क्षेत्र में जाना चाहते हैं, उन्हें चाहिए कि बारहवीं के बाद समाजविज्ञान विषय क्षेत्र से कोई एक विषय चुन कर पढ़ाई करें।

मौके कहां-कहां

एनजीओ प्रबंधन के कोर्सों के बाद ऑपरेशनल और एडवोकेसी, दोनों तरह के एनजीओ में काम के अच्छे अवसर हैं। ऑपरेशन एनजीओ में काम करना उनके लिए बेहतर है, जिनमें वित्त प्रबंधन, मीडिया प्रबंधन वगैरह की खास काबिलियत हो। एनजीओ एडवोकेसी का काम भी इससे कुछ अलग नहीं है, पर जो लोग सामाजिक कामों के लिए लोगों को प्रेरित करने का काम बढ़िया ढंग से संभाल सकते हैं, उनके लिए यह अच्छी जगह है। कुव्वत हो तो इस क्षेत्र में काम की तमाम संभावनाएं हैं। एनजीओ मैनेजर, कम्युनिटी सर्विस प्रोवाइडर, एनजीओ प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर, एनजीओ ह्यूमन रिसोर्स और फाइनेंस मैनेजर जैसे कई रूपों में आप काम पा सकते हैं। मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर, फिक्की, एसओएस विलेज, एफएआरएम, अमर ज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट, प्रयास वगैरह में अच्छे वेतनमान पर काम मिल सकता है। मौजूदा समय में एड्स अवेयरनेस प्रोजेक्ट, ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यक्रम, चाइल्ड एब्यूज प्रिवेंशन कमेटी स्ट्रीट चिल्ड्रन एजुकेशन, ड्रग रिहेबिलिटेशन सेंटर, सेक्स वर्कर फोरम आदि में भी काम के काफी अवसर हैं। रोजगार की संभावना को इस बात से समझिए कि दुनिया भर में लगभग दो करोड़ ऐसे एनजीओ पेशेवर हैं, जिन्हें बाकायदा वेतन दिया जाता है। इस के अलावा उल्लेखनीय काम के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत भी किया जा सकता है।

वेतन मिल सकता है बढ़िया

एनजीओ में काम करने वालों को मौजूदा समय में वेतन के अच्छे मौके हैं। यहां वेतन का निर्धारण इस आधार पर होता है कि कार्य का क्षेत्र कैसा है, किस प्रकार का है और उसका स्तर क्या है। फिर भी अंतरराष्ट्रीय किस्म के गैर सरकारी संगठन बढ़िया वेतन दे सकते हैं। ये संगठन विश्व भ्रमण के खूब मौके उपलब्ध कराते हैं। फिलहाल काबिलियत के हिसाब से 10-15 हजार से लेकर एक लाख से ऊपर तक का वेतन एनजीओ क्षेत्र में मिल सकता है। वेतन के अलावा विभिन्न मुद्दों पर किसी एनजीओ से प्रोजेक्ट वर्क के तौर पर रिसर्च, पुस्तक लेखन, फील्ड वर्क संबंधी कुछ काम लेकर भी धन कमाने के यहां काफी अवसर हैं।

अपना एनजीओ ऐसे बनाएं

एक समूह बना कर आप अपना एनजीओ बना सकते हैं। एनजीओ का निबंधन दरअसल हमारे देश में कई कानूनों के तहत होता है, जैसे कि इंडियन ट्रस्ट एक्ट (1982), पब्लिक ट्रस्ट एक्ट (1950), इंडियन कंपनीज एक्ट (1956-धारा- 25), रिलीजियस एंडोमेंट एक्ट (1863), चेरीटेबल एंड रिलीजियस ट्रस्ट एक्ट (1920), मुस्लिम वक्फ एक्ट (1923), वक्फ एक्ट (1954), पब्लिक वक्फ-एक्सटेंशन ऑफ लिमिटेशन एक्ट (1959) आदि। वैसे हमारे देश में एनजीओ बनाना ज्यादा कठिन नहीं है। बिना लाभ-हानि के काम करने वाले एनजीओ कंपनी एक्ट धारा-25 के तहत ट्रस्ट, संस्था, सोसायटी या प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के रूप में पंजीकृत कराए जा सकते हैं।

खूब हैं विदेश जाने के मौके

यह ऐसा क्षेत्र है, जहां विदेशों में भी काम के काफी अवसर हैं। यूनिसेफ, यूनाइटेड नेशन, यूनेस्को, ओसीडी, विश्वबैंक, नाटो, विश्व स्वास्थ्य संगठन, एमनेस्टी इंटरनेशनल, रेडक्रॉस, ग्रीनपीस, कॉमनवेल्थ ह्यूमन राइट, एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन, यूनाइटेड नेशन एजुकेशनल साइंटिफिक एंड कल्चरल ऑर्गनाइजेशन जैसी नामी संस्थाओं के अलावा दूसरी अन्य वैश्विक स्तर पर काम कर रही संस्थाओं के साथ जुड़ कर भी काम किया जा सकता है। यदि आप अपने ही देश में काम कर रहे हों तो भी विदेशों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में शामिल होने के बुलावे के तौर पर विदेश यात्रा का अवसर मिल सकता है। जो एनजीओ प्रबंधन की पढ़ाई विदेश में करके अपना करियर संवारना चाहते हैं, उनके लिए कुछ नामी विदेशी संस्थान हैं—टेंपल युनिवर्सिटी (जापान), कैस बिजनेस स्कूल (लंदन), एनजीओ मैनेजमेंट स्कूल (बेसिंस, लंदन)।

टेस्ट टीम में जगह बनाने का प्रयास करेंगे सूर्यकुमार

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव अब तक टेस्ट प्रारुप में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। सूर्यकुमार टी20 के नंबर एक बल्लेबाज रहे हैं पर इसके बाद भी अब तक लंबे प्रारुप में सफल नहीं रहे हैं। इसी कारण वह अब तक एक ही टेस्ट खेल पाये हैं। अब सूर्यकुमार का इरादा बुची बाबू टूर्नामेंट और दिलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर अगले माह बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली सीरीज में जगह बनाना रहेगा। भारतीय टीम अगले कुछ महीनों में 10 टेस्ट मैच खेलेगी। सूर्यकुमार ने भारतीय टीम की ओर से फरवरी 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केवल एक टेस्ट खेला था। उनके लिए जगह

पाना इतना आसन नहीं है क्योंकि उनका मुकाबला श्रेयस अय्यर, सरफराज खान, केएल राहुल और रजत पाटीदार से रहेगा। ये सब भी टेस्ट टीम में वापसी के प्रयासों में लगे हैं। सूर्यकुमार ने से कहा कि ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्होंने अपनी जगह पाने के लिए कड़ी मेहनत की है और मैं भी वह जगह दोबारा हासिल करना चाहता हूं। मैं टेस्ट में पदार्पण के बाद चोटिल होने के कारण बाहर हो गया था। तब ऐसे बहुत से लोग थे जिन्हें अवस मिला और उन्होंने अच्छा प्रदर्शन कर अपनी जगह पक्की कर ली। सूर्यकुमार अभी मेरा ध्यान बुची बाबू टूर्नामेंट और दलीप ट्रॉफी में प्रदर्शन पर लगा है। इसके बाद ही आगे क्या होता है ये देखा जाएगा पर मैं टेस्ट खेलने के लिए उत्साहित हूं। आने वाले दिनों में 10 टेस्ट मैच होने वाले हैं और मैं स्पष्ट रूप से इसमें बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हूं। सूर्यकुमार ने अब तक 82 प्रथम श्रेणी मैचों में 43.62 की औसत के साथ 5,628 रन बनाए हैं, जिसमें 14 शतक भी शामिल हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि लाल गेंद क्रिकेट हमेशा मेरी प्राथमिकता रही है। सबसे लंबे प्रारूप को मैं पसंद करता क्योंकि यहीं से मेरी शुरुआत हुई थी।

रोहित , विराट एक बार पाक का दौरा करें : कामरान अकमल

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज कामरान अकमल ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के काफी प्रशंसक उनके यहां भी हैं। इसलिए रोहित और विराट को संन्यास से पहले एक बार पाक का दौरा जरुर करना चाहिये। अकमल ने कहा कि भले ही दोनों ने टी20 से संन्यास ले लिया है पर टेस्ट और एक दिवसीय प्रारुप में ये खेल सकते हैं। पाक क्रिकेटर ने कहा कि ये दोनो ही आज खेल के सबसे बड़े सितारे हैं और प्रशंसक भी इन्हें बेहद चाहते हैं। साथ ही कहा कि पाक में उन्हें जो फैन फॉलोइंग मिलेगी, वह सबसे अधिक रहेगी। अकमल ने कहा कि इन दोनो के अलावा जसप्रीत बुमराह को भी पाक में बेहद पसंद किया जाता है। बुमराह ने हालांकि आज तक पाक का दौरा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि विराट एक रोल मॉडल हैं, रोहित विश्व कप विजेता कप्तान हैं और बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज हैं। जब ये तीनों पाकिस्तान का दौरा करेंगे तो इससे देश के प्रशंसकों को विशेष अहसास होगा। साथ ही कहा कि जब विराट अपने अंडर-19 दिनों के दौरान पाकिस्तान में खेलते थे तो तब वह कोई जाना-पहचाना नाम नहीं थे पर अगर अब विराट आते हैं, तो वह यहां अपनी लोकप्रियता देख हैरान हो जाएंगे। पाकिस्तान में उन्हें काफी समर्थन मिलेगा। वह पाकिस्तान के सबसे लोकप्रिय क्रिकेटर हैं। उनकी फैन फॉलोइंग किसी भी अन्य क्रिकेटर से ज्यादा है।

प्रधानमंत्री मोदी के हौंसला बढ़ाने से सर्वश्रेष्ठ पदर्शन की मिलती है प्रेरणा : मनु

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर रिकार्ड बनाने वाली महिला निशानेबाज मनु भाकर ने कहा है कि 2018 राष्ट्रमण्डल खेलों में स्वर्ण जीतने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि उसका भविष्य उज्जवल है और ये बात सही निकली। मनु ने कहा कि प्रधानमंत्री पदक विजेताओं को सम्मान करने के दौरान उनका हौंसला भी बढ़ते रहते हैं जिससे खिलाड़ियों को और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है। मनु ने खेल दिवस पर पुरानी बातों को याद कर कहा, तब प्रधानमंत्री मोदी ने मुझसे कहा, तुम बहुत युवा हो। तुम इससे भी बड़ी सफलता हासिल करोगी और जब भी तुम्हें किसी चीज की जरूरत हो, तुम मुझसे संपर्क करना। उनके यह शब्द मेरे लिए प्रेरणा बन गये। न केवल सफलता के अवसरों पर बल्कि असफलता के दौर में भी प्रधानमंत्री साथ दिया। जब टोक्यो ओलंपिक में कुछ तकनीकी खराबी के कारण मनु पदक नहीं जीत पायीं थीं जब प्रधानमंत्री ने उन्हें प्रोत्साहित किया और उनकी भविष्य की योजनाओं पर बात की। मनु ने कहा, प्रधानमंत्री ने मुझे आत्मविश्वास से भरे रहने और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने को कहा था। उनकी यह खासियत है कि वह प्रत्येक खिलाड़ी के बारे में हर

बात पर नजरें बनाये रखते हैं। प्रधानमंत्री परिणाम की परवाह किए बिना हर एथलीट को प्रोत्साहित करने और उसका समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। मनु ने जब पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अपना पहला पदक जीता था तभी प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे फोन पर बात की और उन्हें बधाई दी। इसके बाद मनु ने सरबजोत सिंह के साथ मिश्रित 10 मीटर एयर पिस्टल में भी दूसरा कांस्य जीता था।

एलएलसी का तीसरा सत्र 20 सितंबर से, धवन भी खेलेंगे

नई दिल्ली। लीजैंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) का तीसरा सत्र 20 सितंबर से खेला जाएगा। इस लीग में हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले शिखर धवन के अलावा दिनेश कार्तिक सहित कई अन्य पूर्व क्रिकेटर खेलते दिखेंगे। ये लीग 20 सितंबर को जोधपुर में शुरू होगी। इसमें छह टीमें के बीच 25 मैच खेले जाएंगे। खिताबी मुकाबला 16 अक्टूबर को श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम खेला जाएगा। फ्रेंचाइजी आधारित इस टूर्नामेंट में 200 खिलाड़ियों का एक पूल बनाया गया है। एलएलसी के सह संस्थापक रमन रहेजा ने कहा, 'लीजैंड्स लीग क्रिकेट का अगला सत्र शुरू होने वाला है। हमें खुशी है कि इस बार कश्मीर में भी मैच खेल जाएंगे। इससे कश्मीर के लोगों को भी स्टेडियम में मैच देखने का अवसर मिलेगा। आयोजकों ने कहा कि पिछले सत्र में इस लीग को देश में 18 करोड़ लोगों ने देखा था। पिछली बार इसमें सुरेश रैना, आरोन फिंच, मार्टिन गुप्टिल, गौतम गंभीर, क्रिस गेल, हाशिम अमला, रोस टेलर जैसे दिग्गजों ने खेला था।

आईपीएल के नये सत्र में बदलावों के साथ नजर आ सकती है सीएसके

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से आईपीएल के अगले सत्र में बदली बदली सी नजर आयेगी। इसमे अनुभवी आजिंक्य रहाणे, शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर शायद ही नजर आयें। इस बार होने वाली नीलामी में इन्हें रिटेन (बरकरार) रखे जाने की संभावना नहीं है। इसके अलावा मुस्तफिजुर रहमान, मुकेश चौधरी, तुषार देशपांडे, शेख रशीद, मिटेस सैंटनर जैसे खिलाड़ियों को भी शायद ही रखा जाये। कहा जा रहा है कि इस बार टीम पहले के 6 खिलाड़ियों को बनाये रखेगी। सीएसके के पास अभी 25 खिलाड़ी हैं इसमें विदेशी खिलाड़ियों की संख्या 8 है। वहीं देश के ही 17 खिलाड़ी हैं। इसमें अनकैप्ड और अनकैप्ड खिलाड़ी भी शामिल हैं। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी इस साल के अंत में दिसंबर महीने में होगी तभी साफ होगा कि किसे टीम में जगह मिलती है किसे नहीं। आईपीएल 2025 के लिए होने वाली मेगा नीलामी से पहले रिटेन किये जाने वाले खिलाड़ियों की मांग टीमें कर रही हैं, ऐसे में अगर बीसीसीआई खिलाड़ियों को रिटेन करने की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 करता है तो सीएसके 6 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती हैं। सीएसके के पास मौजूदा अभी 25 खिलाड़ी हैं। अगले सत्र के लिए सीएके कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के अलावा रविंद्र जडेजा और शिवम दुबे, मथीशा पथिराना, डेवोन कॉनवे को बनाये रख सकती है। वहीं अगर महेन्द्र सिंह धोनी संन्यास की घोषणा नहीं करते तो उनहें भी टीम में रख जाना तय है। कर रहे हैं। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन के बाद सीएसके की टीम पूरी तरह से बदली हुई नजर आएगी। सीएसके ऋतुराज, धोनी, जडेजा, शिवम दुबे, डेवोन कॉन्वे और पथिराना जैसे खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है।

व्यापार

मुकेश अंबानी ने की एआई क्लाउड की घोषणा, 100 जीबी तक फ्री मिलेगा क्लाउड स्टोरेज

कहा-आरआईएल-डिज्नी विलय भारत के मनोरंजन उद्योग में एक नए युग की शुरुआत

नई दिल्ली/मुंबई। देश के जाने-माने उद्योगपति एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने गुरुवार को 47वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में जियो एआई क्लाउड वेलकम ऑफर का ऐलान किया। उन्होंने एजीएम को संबोधित करते हुए कहा कि इसमें जियो यूजर्स को 100 जीबी तक का फ्री क्लाउड स्टोरेज मिलेगा। आरआईएल-डिज्नी विलय पर कहा कि यह भारत के मनोरंजन उद्योग में एक नए युग की शुरुआत है। मुकेश अंबानी ने 47वीं एजीएम के दौरान शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा, "मैं जियो एआई क्लाउड वेलकम ऑफर की घोषणा करते हुए रोमांचित हूं। आज, मैं घोषणा कर रहा हूं कि जियो उपयोगकर्ताओं को अपने

सभी फोटो, वीडियो, दस्तावेज, डेटा और अन्य सभी डिजिटल सामग्री को सुरक्षित रूप से स्टोर करने और एक्सेस करने के लिए 100 जीबी तक मुफ्त क्लाउड स्टोरेज मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारे पास अधिक स्टोरेज की आवश्यकता वाले लोगों के लिए बाजार में सबसे किफायती कीमतें भी होंगी। हम इस साल दिवाली से जियो एआई क्लाउड वेलकम ऑफर लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं। इसके साथ ही मुकेश अंबानी ने कहा कि रिलायंस 5 सितंबर, 2024 को 1:1 रेश्यो में बोनस इश्यू देने पर विचार करेगी। मुकेश अंबानी ने कहा कि उनका तेल से लेकर दूरसंचार तक का कारोबार करने वाला समूह अल्पकालिक लाभ कमाने और संपत्ति जमा करने के कारोबार में नहीं है, बल्कि उसका ध्यान देश के लिए धन सृजन पर है। आरआईएल के शेयरधारकों की 47वीं सालाना आम बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कंपनी देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जियो 8 सालों में दुनिया की सबसे बड़ी मोबाइल डेटा कंपनी बन गई है। प्रत्येक जियो यूजर्स प्रति माह 30 जीबी डेटा का उपभोग करता है। इसकी कीमत विश्व एवरेज की एक चौथाई है। उन्होंने लोकसभा चुनाव में जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी। अंबानी ने बताया कि दुकानों की संख्या के मामले में शीर्ष 5 वैश्विक खुदरा विक्रेताओं में रिलायंस रिटेल शामिल है। बाजार पूंजीकरण के मामले में यह शीर्ष 10 खुदरा विक्रेताओं में शामिल है। कर्मचारियों की संख्या के मामले में भी शीर्ष 20 खुदरा विक्रेताओं की सूची में रिलायंस रिटेल का नाम शामिल है। आरआईएल-डिज्नी विलय पर मुकेश अंबानी ने कहा कि यह भारत के मनोरंजन उद्योग में एक नए युग की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि हम कंटेंट निर्माण को डिजिटल स्ट्रीमिंग के साथ जोड़ रहे हैं।

15 दिन बंद रहेंगे बैंक

मुंबई, । बस दो दिन बाद ही सितंबर का महीना शुरू हो रहा है. दरअसल, सितंबर महीने की शुरुआत छुट्टियों से हो रही है. जानिए इस पूरे महीने छुट्टियों की प्लानिंग कैसी रहेगी। जानें कि महीने के दौरान कौन से दिन बैंक बंद रहते हैं और वे क्यों बंद रहते हैं। उसी के अनुसार अपने काम की योजना बनाएं.

- **1 सितंबर- रविवार,** - देशभर में छुट्टी रहेगी 4 सितंबर श्रीमंत शंकरदेव की तिरुभाव तिथि - केवल गुवाहाटी में छुट्टी 7 सितंबर गणेश चतुर्थी छुट्टी - मुंबई, नागपुर, अहमदाबाद, बेंगलुरु, भुवनेश्वर, हैदराबाद, पणजी में छुट्टी
- **8 सितंबर को रविवार है,** 14 सितंबर को राष्ट्रीय अवकाश है और 15 सितंबर को राष्ट्रीय अवकाश है, क्योंकि यह दूसरा शनिवार और ओणम है।
- मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, जम्मू, कोच्चि,

कानपुर, लखनऊ, नगर, नई दिल्ली, रांची, श्रीनगर 16 सितंबर को बाराफवत के रूप में, 17 सितंबर को ईद-ए-मिलाद के लिए गंगटोक, 18 सितंबर को गंगटोक में पंग लाबसोल उत्सव के रूप में यहाँ छुट्टियाँ

- **20 सितंबर** को ईद-ए-मिलाद-उल-नबी के कारण जम्मू, श्रीनगर में छुट्टी 21 सितंबर को नारायण गुरु समाधि दिवस के कारण कोच्चि, तिरुवनंतपुरम में छुट्टी 22 सितंबर को देशभर में रविवार की छुट्टी
- **23 सितंबर** को महाराजा हरि सिंह की जयंती होने के कारण जम्मू, श्रीनगर में छुट्टी, * 28 सितंबर को चौथा शनिवार होने के कारण देश में छुट्टी, 29 सितंबर को रविवार होने के कारण देश में छुट्टी।

गौतम अडाणी का परिवार देश की सबसे अमीर फेमिली बना, अंबानी परिवार को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। अडाणी समूह के चेयमैन एवं जाने-माने उद्योगपति गौतम अडाणी का परिवार रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) प्रमुख मुकेश अंबानी के परिवार को पीछे छोड़कर देश का सबसे अमीर परिवार बन गया है। हुरुन इंडिया ने 2024 की जारी अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। हुरुन इंडिया की 2024 के लिए जारी अमीरों की सूची के मुताबिक 11.6 लाख करोड़ रुपये की कुल संपत्ति के साथ 62 वर्षीय गौतम अडानी और उनके परिवार ने मुकेश अंबानी के परिवार को पीछे छोड़ते हुए अमीरों की सूची में पहला स्थान हासिल किया है। वहीं, मुकेश अंबानी के परिवार की कुल संपत्ति 10.15 लाख करोड़ रुपये है। अंबानी परिवार की संपत्ति में एक साल में इसमें 25 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। हुरुन इंडिया की ये रिपोर्ट 31 जुलाई, 2024 तक संपत्ति की गणना के आधार पर है। इस रिपोर्ट में दी गई जानकारी के मुताबिक पिछले साल भारत में प्रत्येक 5 दिन में एक नया अरबपति बना है। अडाणी परिवार ने अपनी

कुल संपत्ति में पिछले एक साल में 5,65,503 करोड़ रुपये जोड़ा है। गौतम अडाणी का परिवार हुरुन इंडिया की अमीरों की सूची 2024 में शीर्ष स्थान पर है, उनकी संपत्ति में 95 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो अब 11,61,800 करोड़ रुपये है। सूची के मुताबिक पिछले पांच साल में गौतम अडाणी ने शीर्ष 10 में सबसे अधिक संपत्ति वृद्धि दर्ज की है, जो हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद की चुनौतियों के बावजूद 10,21,600 करोड़ रुपये है। पिछले एक साल में अडाणी समूह की सभी कंपनियों के शेयर की कीमतों में उल्लेखनीय उछाल दर्ज हुई। मुकेश अंबानी का परिवार हुरुन इंडिया अमीरों की सूची 2024 में 1,014,700 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ दूसरा स्थान हासिल किया है। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शिव नादर और उनका परिवार सूची में 314,000 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति के साथ तीसरे स्थान पर हैं। वहीं, वैक्सीन के निर्माता सीरम इंस्टीट्यूट के मालिक साइरस एस. पूनावाला का परिवार 2,89,800 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ सूची में चौथे स्थान पर हैं, उसके बाद सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज के दिलीप सांघवी 2,49,900 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ पांचवें स्थान पर हैं। हुरुन इंडिया रिच 2024 सूची ने नया रिकॉर्ड बना दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के अमीरों की संपत्ति में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। पहली बार इस सूची ने 1,500 का आंकड़ा पार किया है। इस रिपोर्ट में 1,539 ऐसे उल्लेखनीय व्यक्ति शामिल हैं, जिनकी कुल संपत्ति 1,000 करोड़ रुपये से अधिक है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच लचीली बनी हुई है भारतीय अर्थव्यवस्था : एनसीएईआर

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोंचे पर अच्छी खबर आई है। वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था लचीली बनी हुई है। लेकिन कुछ उच्च आवृत्ति संकेतकों में नरमी के कारण परिदृश्य नरम प्रतीत होता है। राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) ने जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। एनसीएईआर ने अगस्त महीने के लिए जारी मासिक आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (खाद्य और गैर-खाद्य दोनों) की बैंक ऋण वृद्धि जून, 2024 में कम हो जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक व्यक्तिगत ऋण वृद्धि और सेवा क्षेत्र के लिए बैंक लोन में कमी आई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई, 2024 में विनिर्माण और सेवाओं के लिए क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) में मामूली गिरावट दर्ज हुई, लेकिन इसकी विस्तारवादी गति बनी रही। हालांकि, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) और प्रमुख उद्योगों के लिए आईआईपी में वृद्धि जून 2024 में कम हुई है। आर्थिक थिंक टैंक

एनसीएईआर की जारी समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुख्य महंगाई जुलाई 2024 में घटी है, जिसका मुख्य कारण खाद्य मुद्रास्फीति में कमी आना है। रिपोर्ट के अनुसार मुख्य रूप से खाद्य मुद्रास्फीति में कमी के कारण जुलाई, 2024 में थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति में भी गिरावट आई है। इसमें यह भी कहा गया है कि जुलाई, 2024 में वस्तु व्यापार घाटा बढ़ गया, जबकि सेवा व्यापार अधिशेष में क्रमिक रूप से वृद्धि हुई है। उल्लेखनीय है कि एनसीएईआर देश का सबसे पुराना और सबसे बड़ा एक स्वतंत्र तथा गैर-लाभकारी आर्थिक नीति अनुसंधान संस्थान है। इसकी स्थापना 1956 में हुई थी।

बॉक्स ऑफिस पर लाखों में सिमटी खेल खेल में

वेदा गिन रही अंतिम सांसें

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर इस बार सिनेमाघरों में बॉलीवुड से 'स्त्री 2, 'खेल खेल में और 'वेदा रिलीज हुई थी. तीनों ही फिल्मों से काफी उम्मीदें थीं लेकिन श्रद्धा कपूर की हॉरर कॉमेडी के आगे अक्षय कुमार और जॉन अब्राहम की फिल्में टिक नहीं पाईं. जहां 'स्त्री 2 हर दिन नए रिकॉर्ड अपने नाम कर रही है तो 'खेल खेल में रेंग-रेंग कर आगे बढ़ रही है और 'वेदा तो बॉक्स ऑफिस पर दम ही तोड़ चुकी है. ये फिल्में पहले वीकेंड पर ही फुस्स हो गई थीं और दूसरे वीकेंड पर तो 'खेल खेल में और 'वेदा की लुटिया ही डूब गई. चलिए यहां जानते हैं दूसरे मंडे को इन दोनों फिल्मों का क्या हाल हुआ है? अक्षय कुमार की 'खेल खेल में के साथ तो बड़ा खेल ही हो गया है. कहां हर कोई आस लगाए बैठा था कि ये मल्टीस्टारर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कलेक्शन करेगी लेकिन सारी उम्मीदों पर पानी फेरते हुए ये फिल्म रिलीज के पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर टिके रहने के लिए संघर्ष कर रही है. हालांकि खूब पसीना बहाने के बाद भी 'खेल खेल में बॉक्स ऑफिस पर स्पीड नहीं पकड़ पाई है और अब तो ये डिजास्टर ही साबित हो चुकी है. ऐसे में इस फिल्म से कोई और उम्मीद लगाना बेकार ही है. वहीं कमाई की बात करे तो 'खेल खेल में ने पहले हफ्ते में 19.35 करोड़ की कमाई की थी. इसके बाद दूसरे हफ्ते के दूसरे फ्राइडे फिल्म ने 70 लाख कमाए. दूसरे शनिवार 'खेल खेल में ने 1.35 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं दूसरे रविवार 'खेल खेल में की कमाई 1.75 करोड़ रही. अब अक्षय कुमार की फिल्म की रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंडे की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'वेदा ने रिलीज के 12वें दिन 34 लाख रुपये कमाए हैं. इसके बाद 'वेदा का 12 दिनों की कुल कलेक्शन अब 19.59 करोड़ रुपये हो गया है.

सिद्धांत चतुर्वेदी की मालविका मोहनन संग युद्रा के ट्रेलर की रिलीज डेट अनाउंस

सामने आए इंटेंस लुक पोस्टर

एक्सेल मूवीज ने अपने सोशल मीडिया पर हाल ही में मच अवेटेड एक्शन मूवी युद्धा की रिलीज डेट अनाउंस की. जिसमें सिद्धांत चतुर्वेदी और मालविका मोहनन लीड रोल में हैं. यह फिल्म कोविड की वजह से पोस्टपोन हो गई थी और अब 3 साल मेकर्स इसे सिनेमाघरों में लाने जा रहे हैं. इसलिए फैंस की एक्साइटमेंट बरकरार रखने के लिए मेकर्स ने इसके ट्रेलर की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है वो भी नए पोस्टर्स के साथ जिनमें सिद्धांत और मालविका का लुक शानदार लग रहा है. एक्सल मूवीज ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर सिद्धांत और मालविका के धांसू पोस्टर शेयर किए जिनमें उनके लुक काफी इंटेंस लग रहे हैं. सिद्धांत का लुक पोस्टर में काफी इंटेंस और गुस्से वाला लग रहा है. एक्टर के पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा गया- युद्धा- गुस्सा जिसका हथियार है और मौत जिसकी साथी. युद्धा का ट्रेलर रिलीज होगा 29 अगस्त को. वहीं मालविका के पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा- निखत, एक ऐसी चिंगारी जो युद्धा आग को भड़काती है. युद्धा का ट्रेलर 29 अगस्त को रिलीज होगा. इसके एक दिन पहले ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है. फिल्म 20 सितंबर 2024 से सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. फिल्म के डायरेक्टर रवि उदयावर है वहीं इसकी कहानी श्रीधर राघवन ने लिखी है, इसके गाने जावेद अख्तर ने लिखे हैं. युद्धा में सिद्धांत चतुर्वेदी और मालविका मोहनन लीड रोल में हैं. वर्कफ्रंट की बात करें तो सिद्धांत चतुर्वेदी धर्मा प्रोडक्शन की धड़क 2 में तृप्ति डिमरी के साथ स्क्रीन शेयर करने वाले हैं. वहीं मालविका प्रभास की फिल्म द राजा साब में नजर आएंगी.

देवरा पार्ट 1 का काउंटडाउन शुरू, जूनियर एटीआर का डबल रोल में सामने आया इंटेंस लुक पोस्टर

जूनियर एटीआर की आगामी फिल्म देवरा: पार्टी 1 सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है. मेकर्स ने रिलीज से ठीक एक महीने पहले फिल्म का काउंटडाउन पोस्टर लॉन्च किया है. पोस्टर में जूनियर एटीआर का नया अवतार दिखाया गया है. देवरा पार्ट 1 के मेकर्स ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है. पोस्टर में जूनियर एनटीआर का डबल रोल देखा जा सकता है. इस पोस्टर को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, एक महीने में, उनका आगमन दुनिया को एक अविस्मरणीय बड़े पर्दे के अनुभव से झकझोर देगा. आइए 27 सितंबर को सिनेमाघरों में उनके मैजेस्टिक मैडनेस का अनुभव करें. पोस्टर में जूनियर एनटीआर के दो अवतार दिखाए गए हैं. एक में एक्टर मिस्ट्रियस लुक के साथ लंबे बालों में नजर आ रहा. जबकि दूसरे में वह एग्रेसिव लुक में दिख रहे हैं. पोस्टर में एक्टर के नए अवतार ने फैंस का एक्साइटमेंट लेवल को हाई कर दिया है. फैंस ने कमेंट सेक्शन को फायर और लाल दिल वाले इमोजीज से भर दिया है. इस पोस्टर को फिल्म की हीरोइन जाह्नवी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा किया है. सैफ अली के बर्थडे पर मेकर्स ने फिल्म से उनके किरदार का टीजर जारी किया था और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी थी. फिल्म में सैफ अली खान भैरा का किरदार निभाते नजर आएंगे. देवरा में जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर अहम भूमिका में नजर आएंगे.

घुड़सवारी और स्कूबा डाइविंग मेरे पसंदीदा शौक : रविरा भारद्वाज

अभिनेत्री रविरा भारद्वाज ने अपने शौक के बारे में खुलकर बात की। उन्?होंने बताया कि उन्हें घुड़सवारी और स्कूबा डाइविंग बहुत पसंद है। शो औकात से ज्यादा में उर्मिला की भूमिका निभाने वाली रविरा ने कहा, अपने खाली समय में मैं कई तरह के शौक पूरा करना पसंद करती हूं, जो मुझे खुशी और सुकून देते हैं। पेंटिंग एक ऐसी चीज है जो मुझे वाकई सुकून देती है। यह खुद को व्यक्त करने और एक लंबे दिन के बाद आराम करने का एक तरीका है। डांसिंग मेरा एक और जुनून है, यह मुझे संगीत से जुडने का एक मौका देता है। जियूं कैसे की अभिनेत्री ने आगे कहा, मगर मुझे घुड़सवारी और स्कूबा डाइविंग बहुत पसंद है। घुड़सवारी मुझे अविश्वसनीय रूप से रोमांच और जानवर से जुडने का मौका देती है। वहीं स्कूबा डाइविंग एक दूसरी दुनिया में कदम रखने जैसा है। पानी के नीचे रहना, समुद्र की सुंदरता और रहस्य से घिरा होना मुझे हमेशा शांति का एहसास कराता है। उन्होंने कहा कि अपने लिए समय निकालना मानसिक स्वास्थ्य और सेहत के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, खुद के लिए समय निकालना बहुत जरूरी है। यह संतुलित और केंद्रित रहने की कुंजी है। यह मुझे आराम देता है और मेरी ऊर्जा को रिचार्ज करता है जिससे मुझे काम पर लौटने की ताकत मिलती है। मुझे यात्रा करने और नई जगहों की खोज करने का बहुत शौक है, यह मेरा खाली समय बिताने का सबसे पसंदीदा तरीका है। लेकिन जब मैं नई जगहों की खोज करने नहीं जाती हूं तो आप मुझे घर में आनंद लेते देख सकते है। यह तनाव दूर करने और खुद को तरोताजा करने का सबसे बढ़िया तरीका है। औकात से ज्यादा यूट्यूब चैनल फ्रेश मिंट पर स्ट्रीम हो रहा है। इस बीच रविरा को ऐसा क्यू, लिसन 2 दिल, सांवरे और कांटाल में उनके काम के लिए जाना जाता है।

प्रिया प्रकाश ने साड़ी पहन बिखेरा जलवा

एक्ट्रेस की कातिल अदाओं ने फैंस को किया घायल

नेशनल क्रश कही जाने वाली प्रिया प्रकाश आए दिन अपने स्टनिंग अवतार से सोशल मीडिया का पारा हाई करती रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउट से हॉट तस्वीरें शेयर की हैं. प्रिया ने पीच कलर की साड़ी और मैचिंग ब्लाउज पहना है. लाइट मेकअप के साथ बालों को खास अंदाज में बांधा है और क्यूट स्माइल के साथ किलर पोज दे रही हैं. प्रिया एक एक्टर मॉडल और प्लेबैक सिंगर हैं. 2018 में उन्हें सबसे ज्यादा ख्याति उस वक्त मिली जब उनकी साउथ फिल्म ओरु अदार की एक क्लिप वायरल हो गई थी, जिसमें वे आंख मारते हुए नजर आई थीं. तभी से एक्ट्रेस को नेशनल क्रश का नाम भी मिला है. प्रिया की दिलकश अंदाओं के लाखों दीवाने हैं, लेकिन इन दिनों प्रिया के फैंस उनकी तस्वीरों को देखकर हैरान हैं। प्रिया की दिलकश अंदाओं के लाखों दीवाने हैं, लेकिन इन दिनों प्रिया के फैंस उनकी तस्वीरों को देखकर हैरान हैं। प्रिया प्रकाश साउथ की कई फिल्मों, वीडियो और म्यूजिक एल्बम में काम कर चुकी है।इसके अलावा उनके पास कई बड़े ब्रांड के विज्ञापन का कॉन्ट्रैक्ट है

थलपति विजय की द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को मिला यू/ए सर्टिफिकेट

फिल्म का रन टाइम 2 घंटा 45 मिनट है

थलपति विजय की आगामी फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है. वेंकट प्रभु की निर्देशित फिल्म ने पहले ही अपने ट्रेलर से ही चर्चा बटोर ली है. वहीं, मेकर्स ने फैंस के एक्साइटमेंट को और भी बढ़ा दिया है. मेकर्स की ओर से ताजा अपडेट सामने आया है. मेकर्स ने फैंस को खुशखबरी देते हुए बताया है कि विजय स्टारर द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन की ओर से यू/ए सर्टिफिकेट मिला है. द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम के डायरेक्टर वेंकट प्रभु ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर फिल्म के सर्टिफिकेशन के बारे में जानकारी दी है. उन्होंने फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को यू/ए सर्टिफिकेट मिला है. द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम के रन टाइम की बात करें तो फिल्म का टाइम ड्यूरेशन 2 घंटा 45 मिनट है. फिल्म में विजय के साथ प्रभु देवा, स्नेहा, प्रशांत, मीनाक्षी चौधरी जैसे कलकार शामिल हैं. यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में धमाल मचाने उतरेगी.